मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 146
मंगलवार, 10 दिसम्बर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

पीएम मोदी ने की एलआईसी बीमा सखी योजना की शुरूआत

बोले- हमारी सरकार ने बेटियों के सामने से हर बाधा को हटाने की ठानी है

पानीपत, 09 दिसम्बर। हरियाणा के पानीपत में पीएम नरेंद्र मोदी ने एलआईसी बीमा सखी योजना की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि हरियाणा ने जिस प्रकार 'एक हैं तो सेफ हैं' के मंत्र को स्वीकार किया है, वह पूरे देश के लिए एक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि आज महिला सशक्तिकरण की दिशा में भारत एक और मजबूत कदम उठा रहा है। आज का दिन और भी वजहों से विशेष है। आज 9 तारीख है, शास्त्रों में 9 अंक को बहुत शुभ माना जाता है। 9 अंक नवदुर्गा की नव शक्तियों से जुड़ा है।

मोदी ने कहा कि 9 दिसंबर के दिन ही संविधान सभा की पहली बैठक हुई थी। आज जब देश संविधान के 75 वर्ष का महोत्सव मना रहा है, 9 दिसंबर की ये तारीख हमें समानता और विकास को सर्वस्पर्शी बनाने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि अभी यहां (पानीपत) देश की बहनों-बेटियों को रोजगार देने वाली 'बीमा सखी योजना' का शुभारंभ किया गया है। मैं देश की सभी बहनों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। मोदी ने कहा कि कुछ वर्ष पहले मुझे, पानीपत से 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान शुरू करने का सौभाग्य मिला था। इसका सकारात्मक प्रभाव हरियाणा के साथ-साथ पूरे देश में हुआ। अब 10 वर्ष बाद, इसी पानीपत की धरती से बहनों-बेटियों के लिए 'बीमा सखी योजना' का प्रारंभ हुआ है। हमारा पानीपत नारीशक्ति की प्रतीक भूमि बन गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि नारी को सशक्त करने के लिए बहुत आवश्यक है कि उन्हें आगे बढ़ने के खूब अवसर मिलें, उनके सामने से हर बाधा हटे। जब नारी को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है, तो वो देश के सामने अवसरों के नए द्वार खोल देती हैं। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक हमारे देश में ऐसे अनेक काम थे जो महिलाओं के लिए वर्जित थे।भाजपा की हमारी सरकार ने बेटियों के सामने से हर बाधा को हटाने की ठानी है। उन्होंने कहा कि आजादी के 60-65 साल बाद भी अधिकतर महिलाओं के पास बैंक खाते नहीं थे, यानी महिलाएं बैंकिंग सुविधाओं से कटी हुई थीं। इसलिए हमारी सरकार ने सबसे पहले माताओं-बहनों के जनधन खाते खुलवाए। आज मुझे गर्व है कि जनधन योजना से 30 करोड़ से अधिक महिलाओं के खाते खुले हैं।

जॉर्ज सोरोस और अदाणी मुद्दे पर संसद में हंगामा, दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित

नई दिल्ली, 09 दिसम्बर। विपक्ष के सदस्यों के विरोध के बाद संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही सोमवार को दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्षी सदस्यों का दावा है कि विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के उनके अनुरोध को सत्ता पक्ष द्वारा नजरअंदाज किया जा रहा है। इनमें दिल्ली में किसानों का विरोध प्रदर्शन और मणिपुर में चल रहा संघर्ष शामिल है। वहीं, दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के फोरम ऑफ डेमोक्रेटिक लीडर्स इन एशिया पैसिफिक (एफडीएल-एपी) फाउंडेशन के जॉर्ज सोरोस फाउंडेशन के साथ कथित संबंध के बारे में दावा किया है।

कांग्रेस और समाजवादी पार्टी समेत कुछ विपक्षी दलों के सदस्यों ने अदाणी समूह से जुड़े मामले तथा कुछ अन्य मुद्दों को लेकर सोमवार को लोकसभा में हंगामा किया जिसके कारण सदन की कार्यवाही तीन बार के स्थगन के बाद मंगलवार पूर्वाह्न 11 बजे तक स्थगित करनी पड़ी। पिछले कुछ दिनों से लोकसभा में निरंतर गतिरोध बना हुआ है। सोमवार को सदन की बैठक पहले दोपहर 12 बजे तक स्थगित की गई। इसके बाद कार्यवाही अपराह्न दो बजे और फिर तीन बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी।

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) अधिकारियों ने अप्रैल से अक्टूबर महीने के बीच 17,818 फर्जी प्रतिष्ठानों की 35,132 करोड़ रुपये की आयकर चोरी के मामलों का पता लगाया है और 69 लोगों को गिरफ्तार किया है।

सरकार ने सोमवार को संसद को यह जानकारी दी। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि केंद्र और राज्य प्राधिकरणों द्वारा डेटा एनालिटिक्स और अन्य खुफिया जानकारी के माध्यम से फर्जी कंपनियों का पता लगाने के लिए नियमित कार्रवाई की जाती है।

जौनपुर में किसान के घर पर दबंगों ने बोला हमला, कई की हालत नाजुक

प्रियेश गुप्ता रुद्र जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना सुजानगंज क्षेत्र के प्यारेपुर गांव में शाम के लगभग 6:30 बजे शेख इसराइल 45 वर्ष, मोहम्मद इंसान 50 वर्ष, गुलाब शेख 48 वर्ष, शेख सुल्तान 30 वर्ष अपने घर पर सभी लोग धान को बोरी में रख रहे थे ।तभी अचानक उन पर हमला हो गया ।हमला करने वालो की संख्या लगभग दो दर्जन थी सभी दबंगों टाइप के लोग थे जो लाठी डंडे लेकर आये थे देखते देखते सभी ने परिजनों पर हमला बोल दिया ।जिसके कारण परिवार के कई लोग को लहू लुहान कर दिया । जिसमें से तीन लोगों को गंभीर चोटे आई हैं परिजनों का यह कहना है ।की दबंगों ने हवाई फायरिंग भी की है। जिसमें एक गोली गुलाब शेख के कान को छूकर निकल गई ।परिजनों ने आनन फानन में डायल 108 कों सूचित किया मौके पर डायल 108 पहुँचे गई तुरंत घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया ।जहाँ पर डॉक्टरो ने देखने के गुलाब शेख को ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया जिनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

सीएम देवेन्द्र फडणवीस ने महाराष्ट्र विधानसभा में विश्वास मत हासिल किया

उदय सामंत-दिलीप पाटिल-संजय कुटे ने पेश किया था प्रस्ताव

मुंबई, 09 दिसम्बर। देवेन्द्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महायुति गठबंधन सरकार सोमवार को महाराष्ट्र विधानसभा में विश्वास मत से सफल हो गई। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना विधायक उदय सामंत, राकांपा के दिलीप वाल्से पाटिल, भाजपा के संजय कुटे और अन्य द्वारा पेश विश्वास प्रस्ताव को ध्वनि मत से पारित कर दिया गया। विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने घोषणा की कि सदन ने विश्वास प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। 288 सदस्यीय विधानसभा में महायुति गठबंधन के पास 230 विधायकों का प्रचंड बहुमत है। विश्वास प्रस्ताव बहुमत से पारित हो गया है। विधान सभा अब स्थगित हो जाएगी और आज महाराष्ट्र के राज्यपाल के भाषण के बाद फिर से शुरू होगी। फडणवीस ने 5 दिसंबर को तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। मुंबई के आजाद मैदान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में आयोजित समारोह में एकनाथ शिंदे और अजीत पवार ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। 15वीं विधान सभा ने आधिकारिक तौर पर 7 दिसंबर को अपना कार्यकाल शुरू किया। भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 288 सदस्यीय निचले सदन में 230 सीटें हासिल कीं, फ्लोर टेस्ट एक औपचारिकता मात्र थी। नार्वेकर की अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति के साथ, महायुति गठबंधन के पास अब 229 विधायकों का समर्थन है, जिसमें छोटे दल और स्वतंत्र विधायक शामिल हैं। महाराष्ट्र विधानसभा में महायुति गठबंधन में 132 विधायकों के साथ बीजेपी, 57 सीटों के साथ एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और 41 सीटों के साथ अजीत पवार की एनसीपी शामिल है। जन सुरबाया शक्ति पार्टी के पास दो सीटें हैं, राष्ट्रीय समाज पक्ष, राजर्षि शाहू विकास अगाड़ी के पास एक-एक सीट है, जबकि दो निर्दलीय सरकार का समर्थन कर रहे हैं। विपक्षी महा विकास अघाड़ी में 16 सीटों के साथ कांग्रेस, 20 सीटों के साथ उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) और 10 सीटों के साथ शरद पवार की एनसीपी (एसपी) शामिल है।

जम्मू कश्मीर में असली चुनौती जनता की अपेक्षाओं के जटिल जाल को संभालना है : पीडीपी

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने कहा है कि जम्मू कश्मीर में शासन के लिए केंद्र के साथ संवेदनशील बातचीत की आवश्यकता है। पीडीपी ने अपने मासिक समाचार पत्र स्पीक अप में कहा, जम्मू कश्मीर पर प्रभावी ढंग से शासन के लिए केंद्र के साथ बेहतर तालमेल की आवश्यकता है, जैसा कि नयी सरकार (जम्मू कश्मीर में) ने भी स्वीकार किया है। पार्टी ने कहा कि उसके दिवंगत संरक्षक मुफ्ती मोहम्मद सईद जानते थे कि जम्मू कश्मीर के व्यापक हित के लिए गैर-पारंपरिक रास्ते तलाशने होंगे। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की तरह अधिक शांतिप्रिय एवं मैत्रीपूर्ण दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया।

पार्टी ने कहा, भाजपा का सीमित स्थानीय प्रभाव है, बावजूद इसके जम्मू कश्मीर के अपना वाजिब हक पाने के लिए रणनीतिक भागीदारी आवश्यक है। हाल में दो कर्मचारियों की मनमाने ढंग से बर्खास्तगी सवाल खड़े करती है। यह ऐसे समय में हुआ है जब केंद्र शासित प्रदेश में लोकप्रिय सरकार है। फिलहाल, सभी की निगाहें नयी सरकार पर टिकी हैं। पीडीपी ने कहा कि जम्मू कश्मीर में चुनाव जीतना राजनीतिक यात्रा का सबसे आसान हिस्सा हो सकता है।

पार्षद राजेश यादव की मां के ब्रह्मभोज में शामिल हुए मंत्री व मेयर

वाराणसी। नगर निगम, वाराणसी के पांडेपुर-नयी बस्ती के पार्षद एवं भारतीय जनता पार्टी के सीनियर नेता राजेश यादव की मां के ब्रह्मभोज में सूबे के स्टांप शुल्क पंजीयन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार रवीन्द्र जायसवाल, नगर निगम वाराणसी के मेयर अशोक तिवारी सहित कई गणमान्य नागरिक, निगम अधिकारियों एवं पार्षद शामिल हुए। इस दौरान मां के तैल चित्र पर पुष्पाजंलि अर्पित करते हुए लोगों ने मृत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और राजेश यादव से मिलकर उन्हें ढांढ़स बंधाया। इस मौके पर वाराणसी व्यापार मंडल के महामंत्री रवीन्द्र जायसवाल, पार्षद मदन मोहन दुबे, भाजपा नेता अशोक यादव, मधुकर चित्रांश, भाजपा के महामंत्री जगदीश त्रिपाठी सहित शहर के सभी पार्षदगणों ने ब्रह्मभोज में शामिल होकर ईश्वर से मृत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

भव्य एवं दिव्य होगी श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर की तीसरी वर्षगांठ

- 10 से 13 दिसंबर तक होंगे विभिन्न आयोजन
- महारूद्र पाठ व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति में नामी-गिरामी कलाकार करेंगे महादेव की आराधना

सुरेश गांधी

वाराणसी। श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर के उद्घाटन के तीसरी वर्षगांठ को मंदिर प्रबंधन धूमधाम से मनाने की तैयारी की है। इस दौरान 10 से 13 दिसंबर तक महारूद्र पाठ व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति के जरिए नामी-गिरामी कलाकार महादेव की आराधना करेंगे। बता दें, मार्गशीर्ष माह की दशमी तिथि को मंदिर का भव्य उद्घाटन हुआ था।

मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण मिश्रा ने बताया कि धाम में महा रुद्र पाठ के साथ ही देव विग्रहों के अभिषेक किए जाएंगे। सनातन विजय की कामना से वैदिक विधि से संपन्न कराया जाएगा। अनुष्ठान व पूजापाठ का कार्यक्रम मंगलवार से शुरू होगा। उन्होंने कहा कि यह तीसरी वर्षगांठ है और भगवान शिव तीन पत्र वाला बेल पत्र भी अर्पित किया जाता है। भगवान को त्रिपुण्ड भी लगाया जाता है, वे तीनों लोगों के स्वामी भी हैं। परमशिव यानी ब्रह्मा, विष्णु और शिव के रूप में वे ही खुद को प्रकट करते हैं। इसके साथ ही पूर्व, वर्तमान और भूतकाल के जन्म के पापों से भी भगवान शिवि मुक्ति दिलाते हैं।

सीईओ विश्वभूषण ने बताया कि 13 दिसंबर को श्री काशी विश्वनाथ धाम के नवीनीकृत कॉरिडोर परिसर के निर्माण का तीन वर्ष पूर्ण हो रहा है। विक्रम संवत के अनुसार स्थापना की तिथि मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को स्थापना की वर्षगांठ पूर्ण होती है। ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि दिनांक 10 दिसंबर को पड़ेगी। ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार 13 दिसंबर 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्री काशी विश्वनाथ विशिष्ट क्षेत्र विकास परिषद के नवीनीकृत परिसर का लोकार्पण किया था। कार्यक्रमों की श्रृंखला 10 दिसंबर से शुरू हो जाएगी ।बता दें, 13 दिसंबर 2021 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्री काशी विश्वनाथ विशिष्ट क्षेत्र विकास परिषदह्व के नवीनीकृत परिसर का लोकार्पण किया था। कारिडोर की इस बार तीसरी वर्षगांठ है। इसके उपलक्ष्य में कार्यक्रमों की श्रृंखला मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि यानी 10 दिसंबर से ही प्रारंभ हो जाएगी। पहले दिन पंचमुखी हनुमान जी मंदिर (ढुंढिराज गणेश के सन्निकट) में विशिष्ट शास्त्रीय पूजन के साथ ही सप्तचिरन्जीवियों का आह्वान पूजन संपन्न किया जाएगा। इस शास्त्रीय आयोजन में आचार्य विश्वेश्वर शास्त्री द्राविड़ होंगे। यजमान की भूमिका श्री कशी विश्वनाथ मंदिर न्यास की ओर से संपन्न की जाएगी। 12 दिसंबर से महा रूद्र पाठ का आयोजन किया जाएगा। 13 दिसंबर को श्री काशी विश्वनाथ धाम में स्थित समस्त देव विग्रह का अभिषेक प्रातः काल शास्त्रों में वर्णित विधि से संपन्न किया जाएगा। दोपहर 1:00 बजे वैदिक यज्ञ जयादी होम का आयोजन सर्व सनातन विजय की कामना के साथ वैदिक विधि से संपन्न किया जाएगा।

मानव के संरक्षण एवं अधिकारों के लिए कौन लड़ेगा?

मानव अधिकार दिवस-10 दिसम्बर, 2024

-ललित गर्ग

संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा द्वारा घोषित दिवसों में एक महत्वपूर्ण दिवस है विश्व मानवाधिकार दिवस। प्रत्येक वर्ष 10 दिसम्बर को यह दिवस दुनियाभर में मनाया जाता है। इस महत्त्वपूर्ण दिवस की नींव विश्व युद्ध की विभीषिका से झुलस रहे लोगों के दर्द को समझ कर और उसको महसूस कर रखी गई थी। यह दिवस मानव के अस्तित्व एवं अस्मिता को अक्षुण्ण रखने के संकल्प को बल देता है। संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा ने 10 दिसम्बर, 1948 को सार्वभौमिक मानवाधिकार घोषणापत्र को अधिकारिक मान्यता प्रदान की थी। तब से यह दिन इसी नाम से मनाया जाने लगा। किसी भी इंसान की जिंदगी, आजादी, बराबरी और सम्मान का अधिकार है- मानवाधिकार। यह दिवस एक मील का पत्थर है, जिसमें समृद्धि, प्रतिष्ठा व शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के प्रति मानव की आकांक्षा प्रतिबिंबित होती है। मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा में मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रताओं की एक विस्तृत श्रृंखला निर्धारित की गई है, जिसकी सम्पूर्ण मानव जाति हकदार हैं। यह राष्ट्रीयता, निवास स्थान, लिंग, राष्ट्रीय या जातीय मूल, धर्म, भाषा या किसी अन्य स्थिति के आधार पर भेदभाव किए बिना हर व्यक्ति के अधिकारों की गारंटी देता है। साल 2024 में मनाए जाने वाले मानवाधिकार दिवस की थीम है, हमारे अधिकार, हमारा भविष्य, अभी।

किसी व्यक्ति के साथ किसी भी कीमत पर कोई भेदभाव न हो, समस्या न हो, सब शांति से खुशी- खुशी अपना जीवन जी सकें, इसलिए मानवाधिकारों का निर्माण हुआ। मानव अधिकार का मतलब मनुष्यों को वो सभी अधिकार देना है, जो व्यक्ति के जीवन, स्वतंत्रता, समानता एवं प्रतिष्ठा से जुड़े हुए हैं। यह सभी अधिकार भारतीय संविधान के भाग-तीन में मूलभूत अधिकारों के नाम से मौजूद हैं और इन अधिकारों का उल्लंघन करने वालों को अदालत द्वारा सजा दी जाती है। मानवाधिकार में स्वास्थ्य, आर्थिक सामाजिक, और शिक्षा का अधिकार भी शामिल है। मानवाधिकार वे मूलभूत नैसर्गिक अधिकार हैं जिनसे मनुष्य को नस्ल, जाति, राष्ट्रीयता, धर्म, लिंग आदि के आधार पर वंचित या प्रताड़ित नहीं किया जा सकता।

विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र का मुख्य विषय शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगारी, आवास, संस्कृति, खाद्यान्न व मनोरंजन से जुड़ी मानव की बुनियादी मांगों से संबंधित है। विश्व के बहुत से क्षेत्र गरीबी से पीड़ित है, जो बड़ी संख्या वाले लोगों के प्रति बुनियादी मानवाधिकार प्राप्त करने की सबसे बड़ी बाधा है। उन क्षेत्रों में बच्चे, वरिष्ठ नागरिकों व महिलाओं के बुनियादी हितों को सुनिश्चित नहीं किया जा सकता। इसके अलावा नस्ल भेद मानवाधिकार कार्य के विकास को बड़ी चुनौती दे रहा है। इसी तरह आदिवासी एवं दलितों के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार भी मानवाधिकार का बड़ा मुद्दा है। महिलाओं, बच्चों एवं वृद्धों की उपेक्षा एवं प्रताड़नाएं भी मानवाधिकार के सम्मुख बड़े संकट हैं। बात पेट जितनी पुरानी और भूख जितनी नई है मानवाधिकार की। दुनिया में जहां-जहां भी संघर्ष चल रहे हैं, चाहे सत्ता परिवर्तन के लिए हैं, चाहे अधिकारों को प्राप्त करने के लिए, चाहे जाति, धर्म और रंग के लिए वहां-वहां मानवाधिकारों की बात उठाई जाती रही है। हमारे देश में भी वक्त चाहे राजशाही का था, चाहे विदेशी हुकूमत का और चाहे स्वदेशी सरकार का हर समय किसी न किसी हिस्से में संघर्ष चलते रहते हैं। एक सौ चालिस करोड़ के देश में विचार फर्क और मांगों की लंबी सूची का होना स्वाभाविक है।

कानून और व्यवस्था का सीधा दायित्व पुलिस विभाग पर रहता है। उन्हें ही ऐसे आन्दोलनों से निपटना होता है। साधारण अपराध में लिप्त व्यक्ति से भी थाने में वे ही निपटते हैं। पुरुषों से तो बात उगलवाने के लिए मारपीट और अकारण बन्द रखने की घटनाएं तो आए दिन सुनने-पढ़ने को मिलती हैं लेकिन अब तो महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार की घटनाओं की संख्या भी चौंका देने वाली है। यह बात और है कि अगर किसी महिला के साथ अत्याचार होता है तो उसकी कोई सुनवाई नहीं होती। रह-रहकर होने वाली भारतीय पुलिस की बर्बरता की घटनाओं की अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर गूंज होती रहती है। लेकिन तब यह कहकर कि ह्लहमें उनके उपदेशों की जरूरत नहींह्व टाल देते हैं। कश्मीर में पुलिस को साधारण अपराधियों से नहीं, राष्ट्रविरोधी तत्वों से निपटना पड़ता है। वहां यह बात स्वीकार की जा सकती है कि जब राष्ट्र की सुरक्षा और मानवाधिकारों के बीच टकराव होता है तो राष्ट्र की सुरक्षा को प्राथमिकता मिलनी चाहिए, परन्तु इस बड़े सिद्धान्त की ओट में कोई खेल नहीं होना चाहिए। कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। कोई बदले की भावना नहीं होनी चाहिए।

हमारा संविधान भी हमें मूलभूत अधिकारों से परिपूर्ण करता है, लेकिन मानव अधिकारों के हनन में भी हमारा देश पीछे नहीं है। आजादी के इतने सालों बाद भी बंधुआ मजदूरी को पूरी तरह से खत्म नहीं किया जा सका है। बाल मजदूरी जो एक मासूम की जिंदगी के साथ खिलवाड़ है, वह भी खुलेआम होता है। गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी आज भी मुंह बाए खड़ी हैं। रोटी, कपड़ा और मकान जो लोगों की मूलभूत आवश्यकताएँ हैं वे भी हमारी सरकार पूरी नहीं कर पा रही हैं। शिक्षा का अधिकार, भोजन का अधिकार, रोजगार का अधिकार, स्वच्छ जीवन का अधिकार- ये सभी बुनियादी अधिकारों का हनन होना आज के समय में एक घिनौना पाप है, त्रासदी है, विडम्बना है। अगर आज भी हमारे देश के लोगों को जाति के नाम पर, धर्म के नाम पर, संप्रदाय के नाम पर, भाषा के नाम पर, क्षेत्र के नाम पर भेदभाव का शिकार होना पड़ता है तो लानत है इस देश के लोगों पर और यहाँ की सरकार पर। अधिकतर मामलों में अत्याचारियों, बाहुबलियों, अमीरों का साथ देकर बेबस और लाचार लोगों पर बर्बर व्यवहार होता हैं। आज भी देश में बहुत सारे ऐसे जगह हैं जहाँ लोग खुलकर साँस भी नहीं ले पा रहे हैं। दिल्ली में प्रदूषण की समस्या एक मानवाधिकार की बड़ी समस्या है। इलाज के नाम पर एवं शिक्षा के नाम पर जो लूट-खसोट सरेआम होती है, वह भी मानवाधिकार का खुला उल्लंघन है। हद तो तब हो जाती है जब लोगों के अभिव्यक्ति के अधिकारों का दमन हो जाता है। लोग अपने विवेक के अधिकार के इस्तेमाल पर भी डर महसूस करने लगते हैं। दुनियाँ के सबसे बड़े लोकतंत्र में लोगों को अपने दिल की बात बोलने और अपनी आस्थाओं को बरकरार रखने पर भी देशद्रोह जैसे आरोप लगाकर बेइज्जत किया जाता है। यह सब मानव अधिकार हनन की घटनाएं निःसंदेह ही स्वार्थपूर्ण राजनीति के चलते होती है। इसे हर व्यक्ति को समझने की जरूरत है। मानव अधिकारों के साथ उनके कर्तव्य भी जुड़े होते हैं, उनका भी पालन अतिआवश्यक है। सवाल है कि मानवाधिकार के संरक्षण एवं अधिकारों के लिए कौन लड़ेगा? साम्प्रदायिक दंगे, चोरी, लूट, महिलाओं पर अत्याचार, नशीली वस्तुओं का गैर कानूनी धंधा, रोजमर्रा की बात हो गई है। शांति-प्रिय नागरिकों का जीना मुश्किल हो गया है। जन प्रतिनिधियों और राजनीतिज्ञों पर लोगों का विश्वास नहीं रहा। कौन बचाएगा मानवाधिकार को? कौन रेखा खीचेगा असामाजिक तत्वों और सामान्य नागरिक के मानवाधिकारों के बीच? राष्ट्र के सर्वोच्च मंच लोकसभा के अध्यक्ष के आसन पर लिखा है- ह्लधर्म-चक्र प्रवर्तनार्थह्व। धर्म के चक्र को न्यायपूर्वक चलाएं, इसे रुकने न दें। इसमें इतना और जोड़ें-न्याय के चक्र को धर्मपूर्वक चलाएं। युद्ध हमेशा मानवता के खिलाफ होता है। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान मानव व्यक्तित्व और मानवाधिकार का जो उल्लंघन हुआ था, उसने संपूर्ण विश्व के शांतिवादियों को आन्दोलित कर दिया और यह सर्वत्र अनुभव किया जाने लगा कि यदि मानव के अधिकारों की सुरक्षा के लिए कोई कारगर कदम नहीं उठाया गया, तो मानवाधिकार महज एक मजाक बनकर रह जाएगा। मानवाधिकार दिवस एक प्रेरणा है, एक संकल्प है मानव को सम्मानजनक, सुरक्षित, सुशिक्षित एवं भयमुक्त जीवन का। जीवन के चौराहे पर खड़े होकर कोई यह सोचे कि मैं सबके लिये क्यों जीऊं? तो यह स्वार्थ-चेतना मानवाधिकार की सबसे बड़ी बाधा है। हम सबके लिये जीयें तो फिर न युद्ध का भय होगा, न असुरक्षा की आशंका, न अविश्वास, न हिंसा, न शोषण, न संग्रह, न शत्रुता का भाव, न किसी को नीचा दिखाने की कोशिश, न किसी की अस्मिता को लूटने का प्रयत्न। मानव जीवन के मूलभूत अधिकारों का हनन को रोकना एवं सारे निषेधात्मक भावों की अस्वीकृति का निर्माण ही नया मानव जीवन निर्मित कर सकेंगे और यही मानवाधिकार दिवस की सार्थकता होगी।

क्या दोबारा निकल सकता है बोफोर्स का जिन्न बाहर भाजपा शासन में ?

अशोक भाटिया

बोफोर्स का जिन एक बार फिर बोतल बाहर आ सकता है। कहा जा रहा है कि इस मामले में सीबीआई जल्द ही प्राइवेट जासूस माइकल हर्शमैन से जानकारी मांगने के लिए अमेरिका को कानूनी अपील करने जा रही है । इससे पहले हर्शमैन ने 64 करोड़ रुपये के बोफोर्स रिश्वत घोटाले के बारे में भारतीय एजेंसियों के अहम जानकारी शेयर करने की ख्वाहिश जाहिर की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अफसरों का कहना है कि अमेरिका को न्यायिक अनुरोध भेजने के बारे में स्पेशल कोर्ट बताया गया है। यह अदालत इस केस आगे की जांच के लिए उइक की अर्जी पर सुनवाई कर रही है। लेटर्स रोगेटरी (एलआर) भेजने का अमल इस साल अक्टूबर में शुरू हुआ था। इस प्रक्रिया में लगभग 90 दिन लग सकते हैं। इसका मकसद मामले की जांच के लिए जानकारी हासिल करना है।

बोफोर्स घोटाला भारतीय राजनीति का एक ऐसा काला अध्याय है, जिसने एक समय देश को हिलाकर रख दिया था। यह घोटाला 1980 के दशक में हुआ था और इसने भारतीय राजनीति पर गहरा असर डाला। 1986 में भारत सरकार ने स्वीडन की हथियार कंपनी बोफोर्स से 155 एमएम की 400 होवित्जर तोपें खरीदने का सौदा किया था। यह सौदा भारतीय सेना को आधुनिक हथियार मुहैया करने के मकसद से किया गया था। हालांकि, कुछ समय बाद यह बात सामने आई कि इस सौदे में भारी पैमाने पर रिश्वतखोरी हुई थी।

दरअसल 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या से उपजी सहानुभूति लहर पर सवार राजीव गांधी ने लोकसभा की 403 सीटें हासिल करके विपक्ष का सूपड़ा साफ कर दिया था। लेकिन इस अभूतपूर्व जीत के बीच राजनीति के नए खिलाड़ी राजीव गांधी को घाघ कांग्रेसियों ने खूब छकाया। शाहबानो मामला, बाबरी मस्जिद का ताला खुलवाना और फिर उनके वित्त मंत्री वीपी सिंह का विद्रोह, इन सब से निपटने में वे अक्षम रहे। उनके साथी उनको छोड़ कर जाते रहे। बोफोर्स तोप घोटाले में उनको घेरा गया। 10 अप्रैल 1987 को मंत्री पद से विश्वनाथ प्रताप सिंह के इस्तीफे के साथ राजीव गांधी सरकार की मुश्किलें बढ़नी शुरू हो गईं। पहले वित्तमंत्री और फिर रक्षा मंत्री के तौर पर विश्वनाथ प्रताप सिंह के कुछ फैसलों ने राजीव गांधी को नाराज किया था। इस्तीफे के बाद जनता के बीच संदेश गया कि अपने विभागों में भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम के कारण विश्वनाथ प्रताप को मंत्री पद खोना पड़ा। 16 अप्रैल 1987 को स्वीडिश रेडियो ने बोफोर्स तोप खरीद में घोटाले और कमीशनखोरी का खुलासा किया। 20 अप्रैल को संसद में राजीव गांधी ने इसका खंडन किया। फिर इस कड़ी में हिंदू अखबार में चित्रा सुब्रह्मण्यम की रिपोर्टों ने हड़कंप मचा दिया। कैग की खिलाफ रिपोर्ट ने सरकार के लिए और मुश्किलें खड़ी कीं। संसद में विपक्ष के लगातार हंगामे और विपक्षी सांसदों के सामूहिक इस्तीफे ने रही-सही कसर पूरी कर दी।

दूसरी तरफ 16 मई 1987 को कांग्रेस की एक बड़ी रैली जिसमें विश्वनाथ प्रताप श्रोताओं के बीच में थे, को संबोधित करते हुए राजीव गांधी कह रहे थे, ह्लभारत की आजादी कब छिनी ? जब मीरजाफर और राजा जयचंद जैसे गद्दारों ने विदेशी ताकतों से हाथ मिलाया। आप ऐसे लोगों से सतर्क रहें,यह लोग विदेशी ताकतों से हाथ मिलाकर देश के हितों को बेच रहे हैं ह्व सिर्फ मौजूद श्रोताओं तक ही नहीं बल्कि बाद में मीडिया के जरिए दूर तक संदेश गया कि राजा जयचंद की आड़ में राजा मांडा (विश्वनाथ प्रताप सिंह) निशाने पर हैं।

जाहिर तौर पर यह कांग्रेस की भीतरी लड़ाई थी जिनमें प्रधानमंत्री राजीव गांधी और उस समय पूर्व तक उनके भरोसेमंद मंत्री रहे विश्वनाथ प्रताप सिंह आमने-सामने थे। लेकिन बोफोर्स की आंच ने राजीव गांधी, उनके ससुराली रिश्तेदारों-दोस्तों को भी लपेट में लेना शुरू कर दिया। सुपरस्टार अमिताभ बच्चन उन दिनों इलाहाबाद से लोकसभा के सदस्य थे। उनकी गिनती राजीव गांधी के पारिवारिक मित्रों में थी। बोफोर्स कमीशन में हिस्सेदारी करने वालों में अपना और भाई अजिताभ का नाम उछलने पर अमिताभ बच्चन की हिम्मत जवाब दे दी गई। राजीव गांधी के मना करने के बावजूद अमिताभ बच्चन ने लोकसभा की सदस्यता से त्यागपत्र देकर राजनीति से तौबा कर ली। अमिताभ के इस्तीफे के कारण रिक्त इलाहाबाद लोकसभा सीट का 1988 में उपचुनाव हुआ। इस वक्त तक विश्वनाथ प्रताप सिंह की देश के तमाम हिस्सों की यात्राओं और भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम ने उन्हें काफी लोकप्रिय बना दिया था। ह्लराजा नहीं फकीर है, भारत की तकदीर है ह्लनारे की हर ओर गूंज थी। सत्ता के विरुद्ध उनकी छवि विपक्ष की सबसे मुखर आवाज और प्रभावशाली चेहरे के तौर पर स्थापित हो चुकी थी। इलाहाबाद उपचुनाव में वे अपने संगठन जनमोर्चा के प्रत्याशी थे। पूरा विपक्ष उनके पीछे था।

कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के पुत्र सुनील शास्त्री को उनके विरुद्ध उम्मीदवार बनाया था। केंद्र और प्रांत की कांग्रेसी सरकारों की साझा ताकत और हर चुनावी हथकंडे इस्तेमाल करने के बाद भी कांग्रेस प्रत्याशी को करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा था। इस उपचुनाव में विश्वनाथ प्रताप सिंह को 2,02,996 और सुनील शास्त्री को 92,245 वोट प्राप्त हुए थे। इलाहाबाद उपचुनाव के नतीजे कांग्रेस के लिए खतरे की घंटी थे। इस नतीजे ने बिखरे विपक्ष को भी सीख और संदेश दिया कि कांग्रेस को सत्ता से बाहर करने के लिए एक साथ आना होगा और विश्वनाथ प्रताप सिंह को नेता मानना होगा। सिर्फ एक दशक पहले जनता पार्टी के बिखराव की कड़वी यादें इन दलों के कदम आगे बढ़ने से रोक रही थीं। लेकिन और कोई रास्ता न होने के कारण एक बार फिर वक्ती मिलाप हुआ।सेक्युलर दलों ने जनता दल बनाया। भाजपा तथा वामदलों से चुनाव पूर्व गठबंधन किया। विश्वनाथ प्रताप सिंह ने भाजपा के झंडों-मंचों से परहेज किया। लेकिन यह रणनीतिक दांव था , जहां दोनों को एक-दूसरे के वोट बैंक को बिना पास रहे अपने पक्ष में करना था।

1989 के लोकसभा चुनाव में ऐसा नहीं है कि अन्य मुद्दों की चर्चा नहीं हुई अथवा जातीयता, मजहबी गोलबंदी और क्षेत्रीयता के सवाल नहीं उभरे। लेकिन इन सब पर विश्वनाथ प्रताप सिंह की अगुवाई में जारी भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम भारी पड़ी। बोफोर्स का अप्रैल 1987 में निकला जिन्न दो साल बाद मई 1989 के लोकसभा के मतदान के वक्त भी पूरे विकराल रूप में था। ये आगे भी वर्षों तक गांधी परिवार और कांग्रेस का पीछा करता रहा।

बेशक इस मुद्दे पर कुछ साबित न हो पाया हो लेकिन राजीव गांधी और कांग्रेस के लिए यह बहुत भारी पड़ा। बोफोर्स की कथित दलाली ने राजीव गांधी की मिस्टर क्लीन की छवि को नष्ट कर दिया। सिर्फ पांच वर्ष पहले उन्होंने लोकसभा के चुनावी इतिहास की सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी। 1989 में वे सत्ता से बाहर हो गए। कांग्रेस को सिर्फ 197 सीटें मिलीं। जनता दल 143 , भाजपा 85 और वाम मोर्चा 45 सीटों पर जीता। केंद्र की अगली जनता दल की सरकार की अगुवाई विश्वनाथ प्रताप सिंह ने की, जिसे भाजपा और वाम मोर्चे व कुछ अन्य दलों का बाहर से समर्थन था। 2014 के लोकसभा चुनाव में भ्रष्टाचार का मुद्दा एक बार फिर जोर-शोर से उठा। कांग्रेस की अगुवाई में यूपीए 2004 से ही सत्ता में थी। लेकिन इस बार सरकार के भीतर से नहीं बल्कि समाजसेवी अन्ना हजारे की अगुवाई में चले जनांदोलन ने सत्ता दल की छवि को धूल-धूसरित कर दिया। इस वक्त तक सोशल मीडिया और चैनलों का काफी विस्तार हो चुका था। इन सबके जरिए 2 जी और कॉमनवेल्थ जैसे घोटालों और मंत्रियों के विरुद्ध आरोपों की गूंज शहरों ह्न कस्बों को लांघती दूर गांवों तक पहुंच गई।

कैग की खिलाफ रिपोर्ट और सरकारी खजाने को 1 लाख 76 हजार करोड़ की चोट ने आरोपों पर और मोहर लगाई। आंदोलन को संघ परिवार का समर्थन हासिल था। अन्ना आंदोलन की कोख से उपजी आप पार्टी भी 2014 के चुनाव मैदान में उतरी। लेकिन इन सबसे अलग राष्ट्रीय राजनीति के मंच पर नरेंद्र मोदी के उभार ने सबको पीछे छोड़ दिया। गुजरे 25 वर्षों की गठबंधन सरकारों के प्रयोग से ऊबे वोटरों ने अकेले भाजपा को 282 सीटें देकर केंद्र में स्पष्ट बहुमत की स्थिर सरकार का रास्ता साफ कर दिया। अब 2014 से आज तक केंद्र में भाजपा सरकार है सो राजनैतिक हलको में में चर्चा है कि दोबारा बोफोर्स के जिन्न बाहर निकालने का प्रयत्न किया जा रहा है ।

हिन्दुओं को इग्नोर करने वाले नेताओं को बदलनी होगी अपनी सोच

-संजय सक्सेना

बांग्लादेश में हिंदुओं, बौद्ध सहित अन्य अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को जलाया व मारा जा रहा है। उनकी संपत्तियां लूटी जा रही हैं। माताओं व बहनों की इज्जत के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। मंजर ऐसा है कि किसी की भी रूह कांप जाये। बांग्लादेश में जो हो रहा है उसके सामने यूपी के संभल में जो कुछ हुआ कोई मायने नहीं रखता है। हाल में बहराइच में हुई हिंसा भी बांग्लादेश में हिन्दुओं के साथ हो रहे अत्याचार के सामने काफी छोटी नजर आती है। क्योकि संभल हो या बहराइच की हिंसा दोनों ही को विपक्ष कुछ ज्यादा ही बढ़ा-चढ़ाकर हंगामा खड़ा कर रखा है। संभल और बहराइच पर जितना बवाल गांधी परिवार और अखिलेश यादव मचा रहे हैं उतनी ही चुप्पी वह बांग्लादेश में हिन्दुओं और दलितों के साथ हो रहे खून खराबे को लेकर साधे हुए हैं। अखिलेश के पीडीए में पिछड़ा-दलित और अल्पसंख्यकों की बात जरूर की जाती है,लेकिन हकीकीत यही है कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव मुस्लिम वोट बैंक के आगे किसी को तरजीह नहीं देते हैं। अखिलेश दलितों और पिछड़ों की बात सिर्फ इस वर्ग के वोटरों को गुमराह करने के लिये करते हैं। इसी तरह से दलितों और पिछड़ों को इंसाफ दिलाने के लिये कांग्रेस के नेता राहुल गांधी और उनकी टीम जातिगत जनगणना कराये जाने के लिये हाय-तौबा तो करती है,लेकिन उनका भी इससे कोई लेनादेना नहीं है। उनको भी सिर्फ मुस्लिम वोट बैंक नजर आता है। दरअसल, समाजवादी पार्टी और कांग्रेस दोनों ही मुस्लिम वोट बैंक पर कब्जेदारी के चक्कर में एक-दूसरे के साथ-साथ(इंडिया गठबंधन में शामिल दोनों दल) होते हुए भी सियासी दुश्मन बनते जा रहे हैं। मुस्लिम वोट बैंक की खातिर यूपी में राहुल गांधी सपा प्रमुख की कंधे पर चढ़कर उनकी पीठ में ह्यछूराह्ण भोंकने की कोशिश कर रहे हैं तो अखिलेश यादव जिन्होंने भी नेताजी मुलायम सिंह के बाद मुस्लिम वोटरों को अपने जाल में फांस रखा है वह मुस्लिम वोटरों पर अपनी पकड़ कतई ढीली करने को तैयार नहीं है। इसी के चलते यूपी में राहुल गांधी और अखिलेश यादव की राह जुदा होती जा रही है। इसी साल हुए लोकसभा चुनाव की बात हो या फिर हाल में सम्पन्न नौ विधान सभा सीटों की,दोनों ही बार अखिलेश ने कांग्रेस के साथ होते हुए भी उससे दूरी बनाये रखी। लोकसभा चुनाव में तो अखिलेश ने गठबंधन का धर्म निभाते हुए कुछ सीटें कांग्रेस के लिये छोड़ भी दी थीं,लेकिन उप चुनाव में तो कांग्रेस को एक भी सीट नहीं दी।

आलम यह है कि जब संभल में हुई हिंसा के बाद राहुल गांधी ने वहां जाने का कार्यक्रम बनाया तो समाजवादी पार्टी के महासचिव और अखिलेश के चचा रामगोपाल यादव इसे राहुल की नौटंकी करार दे दिया। इसको लेकर कांग्रेस और सपा के नेताओं के बीच एक-दूसरे के खिलाफ खूब बयानबाजी हुई, लेकिन रामगोपाल यादव की बात सच थी। इस बात का अहसास जल्द हो भी गया। ऐसा इसलिये था क्योंकि राहुल गांधी और उनकी नई-नई सांसद बहन प्रियंका वाड्रा को जब लोकसभा में संभल के पीड़ितों की आवाज उठाने का मौका मिला तो इन दोनों (राहुल-प्रियंका) के साथ-साथ पूरी कांग्रेस अडानी-अडानी करती रह गई। कांग्रेस के इन दिग्गज नेताओं ने एक भी शब्द संभल हिंसा को लेकर नहीं बोला।

बांग्लादेश में हिन्दुओं और खासकर दलितों के खून खराबे को लेकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेताओं की चुप्पी न तो बीजेपी को रास आई न ही बसपा सुप्रीमो मायावती को यह बर्दाश्त हुआ। योगी बांग्लादेश में जो कुछ हो रहा है उससे कुछ ज्यादा ही दुखी हैं। वह राहुल और अखिलेश जैसे नेताओं का नाम लिये बिना सवाल करते हैं ह्लआज कुछ लोग समाज को धोखा दे रहे हैं। वे ही लोग समाज में झूठ फैला रहे हैं। हैदराबाद के निजाम और उनके रजाकारों की ओर से जब दलितों के गांव जलाए जा रहे थे तब भी वे चुप थें उस दौरान उनका शोषण हो रहा था। तब भी बाबा अंबेडकर ने खुला पत्र लिखा था कि निजाम की रियासत के सभी दलित रियासत को छोड़कर महाराष्ट्र चले जाएं, लेकिन अपना धर्म और मत न बदलें। पड़ोसी मुल्कों में अल्पसंख्यक हिंदुओं की घटती आबादी पर सीएम योगी ने कहा कि साल 1947 में पाकिस्तान और बांग्लादेश में हिंदुओं की बड़ी तादाद में आबादी रहती थी। बांग्लादेश में साल 1971 तक 22 फीसदी हिंदू रहा करते थे, लेकिन आज उनकी संख्या 6 से 8 फीसदी ही रह गई है। योगी ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधते हुए कहा, ह्लजो लोग हमेशा दलितों को अपना वोट बैंक बना कर उनका शोषण करते आए हैं, वे आज बांग्लादेश की घटना पर मौन हैं. उनके मुंह से एक भी शब्द नहीं निकल रहा। वे सच को स्वीकार नहीं कर सकते और न ही सच बोल सकते हैं। सिर्फ संविधान की प्रति दिखाकर ढोंग कर रहे हैं। उन्हें बाबा साहेब के मूल्यों से कोई लेना-देना ही नहीं है। ऐसे ही आरोप बसपा सुप्रीमो मायावती भी लगा रही हैं। उन्होंने बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार की घटनाओं को लेकर विपक्षी दलों को घेरा और पूछा कि मुख्य विपक्ष दल होने के बाद भी कांग्रेस और सपा इस मुद्दे पर चुप क्यों हैं ? ये दोनों दल सिर्फ मुस्लिम वोटरों को साधने के लिए सिर्फ संभल हिंसा की बात कर मुस्लिम समाज को लड़वा रही हैं। मायावती ने मांग की कि केंद्र सरकार को बांग्लादेश के दलितों को भारत लाना चाहिए। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि संसद चल रही है और विपक्षी दल देश और यहां के जनहित के मुद्दे न उठाकर अपने राजनीतिक स्वार्थ में संभल में हुई हिंसा की आड़ में खासकर सपा और कांग्रेस पार्टी मुस्लिम वोट को रिझाने में लगी हुई हैं। इन्हें बाकी मुद्दों से कोई लेना-देना नहीं है. उन्होंने आरोप लगाया कि ये दल मुस्लिम समाज को भी तुर्क और नॉन तुर्क को आपस में लड़ा रही है, जिससे मुस्लिम समाज को भी सतर्क रहना है। कई दलों के नेता तो बांग्लादेश में हो रही हिंसा को लेकर चुप्पी साध रहे हैं, इसके अलावा मुस्लिम संगठन भी बांग्लादेश की हिंसा मुखर नजर नहीं आ रहे हैं, इसी के चलते भारतीय जनता पार्टी नेता शाहनवाज हुसैन देश के मुस्लिम संगठनों को लानत-मलानत भेज रहे हैं। उन्होंने कहा,ह्य बांग्लादेश में जिस तरह अल्पसंख्यक हिंदुओं के साथ जुल्म और ज्यादती हो रही है। उन पर जुल्म की सभी सीमाएं पार कर दी गईं। उस पर भारत सरकार की पूरी नजर है। लेकिन बांग्लादेश में हिंदुओं पर जो अत्याचार हो रहा है, धार्मिक स्थल जलाए जा रहे हैं, धर्म गुरुओं को मारा-पीटा जा रहा है, उस पर मुस्लिम संगठनों के लोग चुप हैं। शाहनवाज ने कहा, अगर फिलिस्तीन या ईरान में मुस्लिमों के साथ कुछ होता है, तो ये लोग प्रदर्शन करते हैं, लेकिन बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है, वे मारे-काटे जा रहे हैं, लेकिन उलेमाओं की जुबान खुल ही नहीं रही है। वह कुछ बोल ही नहीं रहे हैं। पूरी दुनिया में अल्पसंख्यकों को कैसे रखा जाता है, उसके लिए आदर्श देश भारत है। अल्पसंख्यकों के लिए भारत से अच्छा कोई देश नहीं हो सकता। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों की क्या हालत कर दी गई। पूरे मुस्लिम समुदाय को खुलकर बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार पर मार्च निकालना चाहिए लेकिन ऐसा हो नहीं रहा है।

जलवायु परिवर्तन के दौर में प्राकृतिक खेती

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन भारत की कृषि में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य पर्यावरणीय संतुलन और किसानों की आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करना है। रासायनिक खेती के दीर्घकालिक प्रभावों ने न केवल मिट्टी की उर्वरता को प्रभावित किया है, बल्कि जल स्रोतों और मानव स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाला है। इस संदर्भ में, प्राकृतिक खेती एक सशक्त समाधान के रूप में उभर रही है, जो न केवल टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देती है, बल्कि कृषि उत्पादन प्रणाली को भी स्वस्थ और प्राकृतिक बनाती है।

प्राकृतिक खेती की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें स्थानीय संसाधनों का उपयोग करके खेती की जाती है, जिससे लागत कम होती है और किसानों को आत्मनिर्भर बनने में सहायता मिलती है। गोबर, गोमूत्र, और जैविक खाद जैसे प्राकृतिक उत्पादों के उपयोग से मिट्टी में जैविक तत्वों की वृद्धि होती है, जो पौधों की वृद्धि में सहायक होते हैं। राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन ने इस दिशा में एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाया है, जिसमें 2025-26 तक 38 लाख हेक्टेयर भूमि पर प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा गया है। इस मिशन के लिए 2,481 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है, जिससे किसानों को प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता और बाजार समर्थन प्रदान किया जाएगा।

इस मिशन की सफलता के लिए सबसे महत्वपूर्ण पहलू है किसानों को प्राकृतिक खेती के लाभों के प्रति जागरूक करना। वर्षों से रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर निर्भरता ने किसानों के मनोविज्ञान को प्रभावित किया है। प्राकृतिक खेती को अपनाने के लिए किसानों को प्रशिक्षित करना और उन्हें इसके सकारात्मक परिणाम दिखाना आवश्यक है। सफल किसानों के उदाहरण और उनके अनुभव साझा करना इस दिशा में एक प्रभावी कदम हो सकता है।

प्राकृतिक खेती का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करती है। रासायनिक खेती के कारण जल स्रोतों में प्रदूषण, जैव विविधता की हानि, और मिट्टी की गुणवत्ता में गिरावट जैसे गंभीर मुद्दे सामने आए हैं। प्राकृतिक खेती न केवल इन समस्याओं को कम करती है, बल्कि मिट्टी में जैविक तत्वों की पुनर्बहाली और जल प्रबंधन में भी सुधार करती है। इस पहल से पर्यावरणीय संकट को कम करने में मदद मिलेगी और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित होगा।

बाजार की संरचना प्राकृतिक खेती को सफल बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वर्तमान में जैविक उत्पादों के लिए बाजार की मांग बढ़ रही है, लेकिन उनके लिए उचित मूल्य निर्धारण और वितरण प्रणाली का अभाव है। किसानों को उनके उत्पादों के लिए एक सुनिश्चित बाजार उपलब्ध कराना आवश्यक है, जिससे वे प्राकृतिक खेती को आर्थिक दृष्टि से लाभकारी मानें। सरकार को इस दिशा में मजबूत नीतियां बनानी चाहिए, जिससे जैविक उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा मिले और स्थानीय स्तर पर उनके विपणन के लिए सहकारी समितियों की स्थापना की जा सके।

सिंचाई और जल प्रबंधन भी प्राकृतिक खेती का एक अनिवार्य पहलू है। पारंपरिक सिंचाई विधियों के स्थान पर सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों, जैसे ड्रिप और स्प्रिंकलर, का उपयोग किया जाना चाहिए। इससे न केवल पानी की बचत होगी, बल्कि फसलों की उत्पादकता भी बढ़ेगी। प्राकृतिक खेती में जल प्रबंधन की कुशल प्रणाली न केवल पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करती है, बल्कि कृषि लागत को भी कम करती है।

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन का एक और महत्वपूर्ण उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन है। जैविक खाद, बीज उत्पादन, और प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग के लिए स्थानीय स्तर पर नए उद्योग स्थापित किए जा सकते हैं। इससे ग्रामीण युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे और पलायन की समस्या को कम करने में मदद मिलेगी। इसके अतिरिक्त, महिलाओं को इस मिशन में शामिल करके उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है।

प्राकृतिक खेती के दीर्घकालिक लाभों में से एक है स्वास्थ्य में सुधार। रासायनिक खेती के कारण हमारे खाद्य पदार्थों में हानिकारक तत्वों की उपस्थिति बढ़ गई है, जिससे अनेक बीमारियां उत्पन्न हो रही हैं। प्राकृतिक खेती के माध्यम से उत्पादित फसलें न केवल स्वास्थ्यवर्धक होती हैं, बल्कि उनका पोषण मूल्य भी अधिक होता है। इस मिशन के माध्यम से देश में एक स्वस्थ समाज का निर्माण किया जा सकता है।

प्राकृतिक खेती को व्यापक रूप से अपनाने के लिए नीति निमार्ताओं को अनुसंधान और विकास में निवेश करना होगा। वैज्ञानिक संस्थानों और कृषि विश्वविद्यालयों को इस दिशा में नए नवाचारों और तकनीकों को विकसित करना चाहिए, जो प्राकृतिक खेती को अधिक प्रभावी और उत्पादक बना सकें। स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर खेती के तरीके विकसित करना और उन्हें किसानों तक पहुंचाना इस मिशन की सफलता के लिए आवश्यक है।

इस मिशन के कार्यान्वयन में एकीकृत दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। केंद्रीय और राज्य सरकारों के बीच समन्वय, पंचायत स्तर पर योजनाओं का कार्यान्वयन, और निजी क्षेत्र की भागीदारी इस मिशन को अधिक प्रभावी बना सकती है। सरकार को इस पहल के लिए एक स्थायी ढांचे का निर्माण करना चाहिए, जिसमें सभी हितधारकों की भागीदारी सुनिश्चित हो। राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन भारत को खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता के क्षेत्र में एक अग्रणी स्थान दिलाने की क्षमता रखता है। यह मिशन न केवल कृषि क्षेत्र में सुधार करेगा, बल्कि सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए एक मजबूत नींव भी प्रदान करेगा। यह समय की मांग है कि हम अपनी परंपरागत खेती प्रणाली की ओर लौटें और प्राकृतिक संसाधनों का सतत उपयोग सुनिश्चित करें। यदि इस मिशन को सही दिशा में कार्यान्वित किया जाए, तो यह भारतीय कृषि और समाज के लिए एक परिवर्तनकारी पहल सिद्ध हो सकता है।

-अवनीश कुमार गुप्ता

ज्यूपिटर फाउंडेशन ने जान बचाने वाले अंगदान पर जागरूकता बढ़ाने के लिये माय ऑर्गन प्रोजेक्ट लॉन्च किया

ठाणे। ज्यूपिटर फाउंडेशन ने अपनी समर्पित पहल ह्यमाय ऑर्गन प्रोजेक्ट के लॉन्च की घोषणा की है। इसका मकसद अंगदान पर जागरूकता फैलाना और लोगों को इस बात के लिए प्रोत्साहित करना है कि वे जिन्दगियाँ बचाने के लिये अपने अंगों को दान करने का संकल्प लें। भारत में दान किये जाने वाले अंगों की मांग और उपलब्धता के बीच बड़ा अंतर है। ऐसे में यह पहल लोगों को शिक्षित करने, मिथकों को तोड़ने और अंगदान करने का संकल्प लेने की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिये है। जोनल ट्रांसप्लांट कोऑर्डिनेशन कमिटी (जेडटीसीसी) और रोट्टो-सोट्टो (रीजनल कम स्टेट ऑर्गन एण्ड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन, वेस्ट एण्ड महाराष्ट्र) जैसी महत्वपूर्ण संस्थाओं के सहयोग में माय ऑर्गन प्रोजेक्ट अंगों एवं ऊतकों के दान की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर जागरूकता फैलाने के लिये प्रतिबद्ध है। यह पहल ब्रेन डेथ पर जागरूकता फैलाने के महत्व पर रोशनी डालती है और अंगदान के नैतिकतापूर्ण एवं पारदर्शी तरीकों को बढ़ावा देती है। ज्यूपिटर हॉस्पिटल्स के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अजय पी. ठक्कर ने कहा, अंगदान उन सबसे अच्छे उपहारों में से एक है, जो एक व्यक्ति दूसरे को दे सकता है। माय ऑर्गन प्रोजेक्ट के माध्यम से हमारा लक्ष्य लोगों तथा परिवारों को अंगदान करने के संकल्प की उस असीम क्षमता के बारे में शिक्षित करना है, जिससे कि जानें बच सकती हैं। ऐसा एक संकल्प भी ट्रांसप्लांट का इंतजार कर रहे लोगों को उम्मीद के साथ ही दूसरा मौका दे सकता है। अपने मिशन के तहत ज्यूपिटर फाउंडेशन ने माय ऑर्गन प्रोजेक्ट की पहुँच को बढ़ाने के लिये कॉर्पोरेट्स, हाउसिंग सोसायटीज और शैक्षणिक संस्थानों के साथ भागीदारी की है।

संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा रक्त दान शिविर संपन्न

मुंबई(उत्तरशक्ति)। संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन की ओर से मुंबई के घाटकोपर सेक्टर का रक्तदान शिबिर का आयोजन रविवार 8 दिसंबर को साकीनाका में किया गया। जहाँ सुबह से ही कई निरंकारी भक्तों ने भाग लिया। कुल 145 यूनिट जमा किया गया। वार्ड क्रमांक 159 के कांग्रेस अध्यक्ष प्रह्लाद शेट्टी व समाजसेवक दीपक हांडे ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर घाटकोपर सेक्टर के संयोजक प्रकाश जोशी ने आये हुए मेहमानो का आभार प्रकट किया। साथ ही मदन पांडेय, नितिन पवार, महेंद्र सामल, आत्माराम घाग, प्रभा सावर्डेकर, मंगला अजब, राकेश सिंह, योगेश पाटिल, महेश काले, सूरज शुक्ला व कई निरंकारी भक्तों के साथ निरंकारी सेवादल के सदस्यों ने निःस्वार्थ भाव से सेवा के रूप में अपनी सेवाएं दी।

गोवंडी के आर.एस.टी . विद्यालय में एम पूर्व की विज्ञान प्रदर्शनी मंगलवार से

मुंबई। शिक्षा निरीक्षक बृहन्मुंबई उत्तर विभाग और एम-पूर्व विभाग विज्ञान प्रदर्शनी और सह-शालेय गतिविधि समिति द्वारा तालुका स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी मंगलवार दस दिसम्बर से बारह दिसंबर 2024- को आयोजित की गई है। यह प्रदर्शनी गोवंडी (पूर्व) के अर. एस टी माध्यमिक विद्यालय में आयोजित की गई है। छात्र सतत भविष्य के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विषय पर आधारित अपनी प्रदर्शनी प्रस्तुत करेंगे। इस दौरान उद्घाटन के अवसर पर विधान परिषद सदस्य जे. मो. अभ्यंकर, शिक्षा निरीक्षक उत्तर विभाग के डॉक्टर मुश्ताक शेख बतौर प्रमुख अतिथि उपस्थित रहेंगे। जबकि विशिष्ट अतिथि भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिक जयंत जोशी होंगे। इस अवसर पर प्रदर्शनी में गोवंडी एजुकेशन सोसायटी के सचिव विजय पटवर्धन और अन्य गणमान्य उपस्थित रहेंगे। प्रदर्शनी तीन दिन चलेगी। वहीं पुरस्कार वितरण १२ दिसंबर को संपन्न होगा। एम पूर्व की इस विज्ञान प्रदर्शनी में सैकड़ों स्कूल भाग ले रहे हैं।

फिल्म 'पुष्पा' से प्रेरित कल्याण के आभूषण पेश

मुंबई। भारत के सबसे भरोसेमंद और प्रतिष्ठित आभूषण ब्रांडों में से एक कल्याण ज्वैलर्स ने चर्चित फिल्म 'पुष्पा' से प्रेरित आभूषणों का लिमिटेड एडिशन वाला 'पुष्पा' कलेक्शन पेश किया है। 'पुष्पा 2' की बहुप्रतीक्षित रिलीज से ठीक पहले जारी इस कलेक्शन में आभूषण प्रेमियों को मिलते हैं बोल्ड, उत्तम डिजाइन वाले बेमिसाल गहने। 'पुष्पा 2' की नायिका रश्मिका मंदाना ने सोशल मीडिया पर इस संग्रह को जारी किया, जहां उन्होंने फिल्म से प्रेरित ज्वैलरी लाइन के बारे में अपनी उत्सुकता को साझा किया। सोने में तैयार और अनकट डायमण्ड, मदर-ऑफ-पर्ल और अर्ध-कीमती पत्थरों से जड़ा हुआ, पुष्पा संग्रह दरअसल प्रकृति की सुंदरता को एक अलग ही अंदाज में प्रस्तुत करता है। संग्रह का प्रत्येक आभूषण कल्याण ज्वैलर्स की उत्कृष्ट कृतियों को बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ये ऐसे आभूषण हैं, जिन्हें कारीगरी का बेमिसाल नमूना कहा जा सकता है। कल्याण ज्वैलर्स के चुनिंदा शोरूम पर विशेष रूप से उपलब्ध, पुष्पा कलेक्शन उन लोगों के लिए डिजाइन किया गया है जो अपने जुनून को गर्व के साथ धारण करते हैं। चाहे कोई खास अवसर हो या रोजाना पहनने के लिए, ये पीस फिल्म की भावना को दर्शाते हैं, जो उन्हें किसी भी आभूषण प्रेमी के कलेक्शन के लिए एकदम सही बनाते हैं।

ई-मेडिक्स स्मार्ट फामेर्सी ने रामदयालु, मुजफ्फरपुर में खोला नया स्टोर

मुंबई/मुजफ्फरपुर। ई-मेडिक्स स्मार्ट फामेर्सी ने आज रामदयालु, मुजफ्फरपुर में अपने नए स्टोर का भव्य उद्घाटन किया। यह ई-मेडिक्स का एक और कदम है स्वास्थ्य सेवाओं को और भी किफायती, सुगम और आधुनिक बनाने की दिशा में। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. मोनालिसा, डिप्टी मेयर, ने फीता काटकर स्टोर का उद्घाटन किया। उन्होंने ई-मेडिक्स द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं में लाई जा रही क्रांति की सराहना की और कहा, ई-मेडिक्स स्मार्ट फामेर्सी एक अभिनव पहल है जो लोगों को गुणवत्तापूर्ण दवाइयां और स्वास्थ्य उत्पाद उचित मूल्य पर उपलब्ध कराने में सहायक होगी। विशिष्ट अतिथियों में डॉ. नवीन कुमार, डॉ. राधा रमन, डॉ. अमृता रमन, डॉ. राम कुमार, अभिलेख कुमार, शैलेंद्र नारायण सिंह, रविंद्र कुमार, राजीव कुमार शर्मा, विक्की कुमार सिंह, मनोज कुमार, धर्मेंद्र कुमार सिंह, विजय कुमार, और कुणाल आनंद उपस्थित थे। सभी ने इस पहल की सराहना की और इसे मुजफ्फरपुर के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

लेग्रैंड ने पटना में एक्सपीरियंसल सेंटर स्टूडियो लॉन्च किया

मुंबई/पटना। इलेक्ट्रिकल और डिजिटल बिल्डिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में वैश्विक अग्रणी लेग्रैंड इंडिया ने पटना में अपने अत्याधुनिक अनुभव केंद्र ₹लेग्रैंड स्टूडियो₹ का उद्घाटन किया, जिसमें लेग्रैंड के उत्पादों की पूरी रेंज शामिल है, जिसमें हाल ही में लॉन्च की गई कनेक्टेड पेशकश भी शामिल है। भारत की बात की जाए, तो यहाँ लेग्रैंड ने इनोवल, स्टूडियो और ज़िप सहित कई अलग-अलग तरह के फॉर्मेट में 45 से ज्यादा एक्सपीरियंशियल प्रोडक्ट शोरूम स्थापित किए हैं, और इन सभी को बातचीत की प्रक्रिया को सार्थक बनाने तथा अपने ग्राहकों को और अधिक मूल्यवान सेवाओं की पेशकश करने के लिए तैयार किया गया है। महावीर इलेक्ट्रिकल्स इस क्षेत्र का एक भरोसेमंद नाम है जिसे इलेक्ट्रिकल सॉल्यूशंस के साथ-साथ ग्राहकों को शानदार सेवाएं उपलब्ध कराने में अपनी विशेषज्ञता के लिए जाना जाता है, जिनके साथ मिलकर लेग्रैंड ने पटना के इस स्टूडियो का शुभारंभ किया है। इस प्रकार, लेग्रैंड ने अपनी मौजूदगी को बढ़ाने का सिलसिला जारी रखते हुए समुदाय के लिए अपने विश्व स्तरीय समाधानों की उपलब्धता को सहज बनाया है, साथ ही स्थानीय भागीदारों और ग्राहकों के साथ अपने नाते को भी मजबूत किया है। लॉन्च पर बोलते हुए, टोनी बर्लैंड, सीईओ और प्रबंध निदेशक, ग्रुप लेग्रांट इंडिया, ने कहाः वर्षों के दौरान, लेग्रांट ने भारत में अपनी पेशकशों का महत्वपूर्ण रूप से विस्तार किया है, जिसमें विविध उद्योगों और उनके हितधारकों के लिए नवाचारपूर्ण समाधान विकसित किए हैं, जिनमें निवेशक, सिस्टम इंटीग्रेटर्स, आर्किटेक्ट्स, पैनल बिल्डर्स और अंतिम ग्राहक शामिल हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ बोईसर में निकाली गई जन आक्रोश रैली

जन आक्रोश रैली में हजारों लोग हुए शामिल

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। 'हिंदुओं पर बांग्लादेश में हो रहा है अत्याचार,फिर क्यों चुप है दुनिया का मानवाधिकार। जैसे अनेक स्लोगनों को तख्ती पर चिपकाये हाथों में भगवा ध्वज लिए निकली हजारों की तादाद वाली अभूतपूर्व 'जन आक्रोश बाईक रैली' को निर्धारित स्थान बोईसर शहर प. टेप्स गेट के सामने डा.हेडगेवार नगर,श्री हनुमान मंदिर,विजय कालोनी,तारापुर रोड से रविवार,08 दिसंबर को सायं 4.00 बजे ₹सकल हिंदू समाज,बोईसर₹ के बैनर तले लगभग आठ किलोमीटर नगर परिक्रमा कर अलख जागाने निकले हिंदी धर्मावलंबियों को मुख्य सड़क के पास समाज के वरिष्ठों ने 'भगवा झंडी' दिखाकर रवाना किया।

'पड़ोसी देश बांग्लादेश' में हिंदुओं के साथ हो रहे अत्याचार पर हाथों में भगवा ध्वज लिए 'जन आक्रोश बाईक रैली' में युवाओं और मातृत्व शक्ति की बहनों ने जल्लोष के साथ तीव्र निंदा और भर्तस्ना करते जल्द से जल्द हिंदुओं की पुख्ता सुरक्षा और दोषियों पर कड़ी कारवाई के करने की मांग के साथ अत्याचारियों के विरुद्ध खुब भड़ास निकाली।

बतादें कि पड़ोसी राष्ट्र 'बांग्लादेश' में रह रहे अल्पसंख्यक हिंदू धर्मावलंबियों के साथ चल रहे क्रुर अत्याचार व हिंसापूर्ण घटनाएं धार्मिक सहिष्णुता और मानवाधिकार के लिए बेहद अन्याय पूर्ण होकर प्रश्नचिन्ह उत्पन्न कर रही है। ऐसे हिंसक और चिंताजनक घटनाओं के विरुद्ध आक्रोशित समूचा हिंदू समाज प्रताड़ ?ा झेल रहे भाईयों के लिए इंसाफ के लिए केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग कर रहे है। बोईसर में सकल हिंदू समाज की ओर से आयोजित 'जन आक्रोश बाईक रैली' नगर परिक्रमा के उपरांत सर्कस ग्राऊंड के सामने 'पुरोहित थाल' के पास पहुँचकर सभा में परिवर्तित हो गयी।

जहां तमाम प्रबुद्ध वक्ताओं ने बांग्लादेश के निरपराध अल्पसंख्यक हिंदुओं की पीड़ा को व्यक्त करते सभी से चलाये जा रहे हस्ताक्षर अभियान में शामिल होने का अपील किया। 10 दिसंबर को बड़ी संख्या में हिंदू धर्मावलंबी पालघर जिला मुख्यालय पर भारत सरकार को संबोधित जिलाधिकारी को जन ज्ञापन देकर बांग्लादेशी हिंदुओं के लिए वहां की सरकार से कड़ी कारवाई करने का आह्वान करने वाले है।

कैविनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद का मुंबई आगमन पर स्वागत

आदेश मिश्र

मुंबई (उत्तरशक्ति)। रविवार को लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय महासचिव एवं ब्लॉक प्रमुख प्र. प्रभाकर शुक्ल रिंकू ने मुंबई प्रवास पर आए हुए उत्तर प्रदेश के कैविनेट मंत्री एवं निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ संजय निषाद से मुलाकात कर संकल्प पत्रिका और गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया गया। प्रदेश और जिला के विभिन्न विंदुओं पर काफी देर तक चर्चा हुई. इस अवसर पर उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त पत्रकार संघ के अध्यक्ष हेमंत तिवारी, ब्लॉक प्रमुख राहुल शुक्ल, निषाद पार्टी के महाराष्ट्र प्रभारी प्रवीण निषाद,अनिरुद्ध तिवारी, प्रशांत शुक्ल, राहुल तिवारी, पत्रकार एवं एएड आदेश मिश्र सहित कई अन्य गण मान्य लोग उपस्थित थे।

बाइक चोरी करने के आरोप में स्थानिक अपराध शाखा पालघर ने एक आरोपी को किया गिरफ्तार

पालघर(उत्तरशक्ति)। स्थानिक अपराध शाखा पालघर ने मोटर साइकिल चोरी के दो मामलों का खुलासा करते हुए पालघर जिले के विरार से एक आरोपी को गिरफ्तार करने में बड़ी कामयाबी हासिल की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 15 अगस्त 2024 को पालघर पूर्व रेलवे स्टेशन के पास पार्किंग में खड़ी बाईक क्रमांक एमएच 48 सी ई 5819 के चोरी होने की रिपोर्ट पालघर पुलिस थाना में अपराध संख्या 149/2024 भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 303(2) के तहत अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध दर्ज कराई गई थी। वहीं 20 नवंबर 2024 को पालघर पूर्व रेलवे स्टेशन के पास पार्किंग में खड़ी बाईक क्रमांक एमएच 48 सी एफ 5022 के चोरी होने की रिपोर्ट पालघर पुलिस थाना में अपराध संख्या 254/2024 भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 303(2) के तहत अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध दर्ज कराई गई थी। उक्त दोनों वारदातों में चोरी हुई बाईकों की बरामदगी करने तथा चोरी में शामिल अभियुक्त को गिरफ्तार करने हेतु पालघर पुलिस अधीक्षक बालासाहेब पाटील, अपर पुलिस अधीक्षक विनायक नरले, उपविभागीय पुलिस अधिकारी अभिजीत धाराशिवकर के मार्गदर्शन में स्थानिक अपराध शाखा पालघर के पुलिस निरीक्षक प्रदीप पाटील नेतृत्व में टीम गठित की गई। जिसके पश्चात मिली गुप्त जानकारी के आधार पर स्थानिक अपराध शाखा पालघर द्वारा की गई छापेमारी में पालघर जिले के वसई, विरार अंतर्गत स्थित डोंगरपाड़ा से आरोपी विजय कृष्णा गोष (मूल निवासी उड़ीसा) को गिरफ्तार करने में बड़ी कामयाबी हासिल कर ली। उक्त कारवाई पालघर पुलिस अधीक्षक बालासाहेब पाटील, अपर पुलिस अधीक्षक विनायक नरले, उपविभागीय पुलिस अधिकारी अभिजीत धाराशिवकर के मार्गदर्शन में स्थानिक अपराध शाखा पालघर के पुलिस निरीक्षक प्रदीप पाटील, पुलिस उपनिरीक्षक रविंद्र वानखेड़े, पोहवा संदीप सरदार, पोहवा दिनेश गायकवाड व पोहवा राकेश पाटील की संयुक्त टीम द्वारा सफलता पूर्वक की गई। उक्त मामले में आगे की जांच पालघर पुलिस थाने के पोहवा भगवान आव्हाड द्वारा की जा रही है।

राहुल नार्वेकर ने पहले भी असंवैधानिक सरकार चलाने में मदद की थी : आदित्य ठाकरे

पुणे। शिवसेना (उबाठा) नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि पार्टी ने महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष के रूप में राहुल नार्वेकर के चुनाव का बहिष्कार किया क्योंकि उन्होंने अपने पिछले कार्यकाल के दौरान एक असंवैधानिक सरकार चलाने में मदद की थी। इससे पहले दिन में, विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) द्वारा चुनाव नहीं लड़ने का फैसला करने के बाद नार्वेकर को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया था। मुंबई के कोलाबा से भाजपा विधायक नार्वेकर ढाई साल तक 14वीं विधानसभा के अध्यक्ष रह चुके हैं। अपने पिछले कार्यकाल के दौरान, नार्वेकर ने फैसला सुनाया था कि अविभाजित शिवसेना के विभाजन के बाद एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली पार्टी ही वैध और वास्तविक शिवसेना थी। उन्होंने यह भी कहा कि अजित पवार के नेतृत्व वाला गुट ही असली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) है। मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए, आदित्य ठाकरे ने कहा कि शिवसेना (उबाठा) ने विधानसभा के तीन दिवसीय विशेष सत्र के दौरान नार्वेकर के चुनाव और नए विधायकों को शामिल करने का बहिष्कार किया। शिवसेना (उबाठा) नेता ने कहा, उन विधायकों के बारे में हर कोई जानता है जो सूरत और फिर गुवाहाटी (2022 में शिवसेना के विभाजन के बाद) भाग गए थे। सभी ने देखा है कि विधानसभा अध्यक्ष (नार्वेकर) के रूप में चुने गए इस व्यक्ति ने पिछले ढाई वर्षों में कैसे एक असंवैधानिक सरकार चलाने में मदद की।़ उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि नार्वेकर अगले पांच साल में विधानसभा अध्यक्ष के तौर पर अन्याय नहीं करेंगे।

विधानभवन परिसर को बाजार नहीं बनने देना चाहिए, भीड़ प्रबंधन जरूरी : फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को विधान भवन में भीड़ प्रबंधन का आह्वान करते हुए कहा कि परिसर को बाजार नहीं बनाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में कहा कि विधान भवन में भीड़ रहेगी तो सदन ठीक से कैसे चल पाएगा। उन्होंने कहा, मैं जो कहने जा रहा हूं, उससे कुछ विधायकों को ठेस पहुंच सकती है, लेकिन हमें विधान भवन परिसर में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कदम उठाने की जरूरत है। मैं इस शब्द का इस्तेमाल नहीं करना चाहता, हालांकि, मुझे स्थिति का वर्णन करने के लिए इससे बेहतर कोई विकल्प नहीं मिल रहा है। यह परिसर बाजार नहीं बनना चाहिए। मुख्यमंत्री ने आश्चर्य जताते हुए कहा, अगर विधान भवन में इतनी भीड़ रहेगी, तो यह सदन ठीक से कैसे चलेगा? उन्होंने कहा कि कई निर्वाचित जनप्रतिनिधि काम के लिए विधान भवन के अंदर अलग-अलग कक्षों में अपने समर्थकों के साथ जाते हैं, लेकिन कभी-कभी इन कक्षों में बहुत अधिक लोग इकट्ठा हो जाते हैं और कोई और अंदर नहीं जा पाता। फडणवीस ने सदन में राजनीतिक संवाद में कमी पर भी निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा, विधानसभा में संवाद नदारद है। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि यह बंद हो गया है, लेकिन इसमें कमी जरूर आई है। हम सभी को इस पर काम करने की जरूरत है।

विधायक दिलीप लांडे की निधि से अय्यपा स्वामी मंदिर का जीर्णोद्धार

मुंबई (उत्तरशक्ति)। साकीनाका परेरावाडी में स्थित मणिकठा भक्त वृंदा मंडल द्वारा संचालित अय्यपा स्वामी मंदिर का निर्माण कार्य म्हाडा के माध्यम से चांदीवली से शिवसेना विधायक दिलीप लांडे की विधायक निधि से किया गया है और इस मंदिर का लोकार्पण समारोह हाल ही में संपन्न हुआ। बता दें कि मणिकंठा भक्त वृंदा मंडल के अनुरोध पर विधायक दिलीप लांडे ने अय्यपा समाज मंदिर का जीर्णोद्धार कराया।

इस मंदिर में पूजा शुरू होने के बाद एक विशेष पूजा कार्यक्रम में विधायक दिलीप लांडे अयप्पा मंदिर आये और दर्शन किये। इस अवसर पर मणिकंठा भक्त वृंदा मंडल के संचालक मंडल ने लांडे मामा को शॉल, श्रीफल, पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया तथा इस वास्तु के निर्माण के लिए लांडे मामा का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष सुधाकर कोटियान, महासचिव दीपक पुजारी, कार्यकारी अध्यक्ष केशव सुवर्णा, मुख्य मार्गदर्शक दिनेश गोसावी, सदस्य हरीश कुलाल, गणेश पुजारी, दीपक सालियान, अशोक मिलिट्री आदि मौजूद थे।

मुंबई की एयर क्वालिटी हुई खराबः ग्रीनपीस इंडिया

मुंबई। ग्रीनपीस इंडिया द्वारा जारी की गई एक नई रिपोर्ट, उत्तर भारत से परेः सात प्रमुख भारतीय शहरों में नाइट्रोजन डाइऑक्साइड प्रदूषण और स्वास्थ्य जोखिम, में मुंबई में NO2 प्रदूषण के खतरनाक स्तर का खुलासा हुआ है। NO2 एक लगभग अदृश्य जहरीली गैस है जो ट्रैफिक और ईंधन जलाने से निकटता से जुड़ी हुई है, जो शहरी क्षेत्रों में आम है। इसका मतलब है कि वाहन और जीवाश्म ईंधन से उत्पन्न होती ऊर्जा NO2 के महत्वपूर्ण स्रोत हैं।शहर की 2023 की वार्षिक औसत NO2 सांद्रता सभी छह सतत परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशन उअअदट पर विश्व स्वास्थ्य संगठन के स्वास्थ्य आधारित दिशानिर्देश से अधिक हो गई। मझगांव में उच्चतम स्तर दर्ज किया गया, उसके बाद बांद्रा कुर्ला है जो एक बस डिपो के पास सडक के किनारे का स्टेशन है। दैनिक NO2 औसत भी दिशानिर्देश को पार कर गया। मझगांव और सायन में वर्ष के 70% से अधिक की सीमा पार हो गई। मझगांव में तय सीमा से 267 दिन अधिक तापमान दर्ज किया गया।

भारी मात्रा में वैज्ञानिक सबूत NO2 के जोखिम को प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभावों जैसे कि अस्थमा का खतरा, हवा के मार्ग से होती सूजन, श्वसन जलन और मौजूदा श्वसन स्थितियों के बिगड़ने से जोड़ते हैं। यह फेफडो के विकास को बाधित कर सकता है, एलर्जी को बढ़ा सकता है और श्वसन मृत्यु दर और सक्युर्लेटरी रोगों, इस्केमिक हृदय रोग और यहां तक कि फेफड़ों के कैंसर से मृत्यु की संभावना बढ़ा सकता है। 10% आबादी वाले बच्चे NO2 की अस्वास्थ्यकर सांद्रता के निरंतर संपर्क से सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। Achakulwisut et al. (2019) के अनुसार, 2015 में मुंबई में पीडियाट्रिक अस्थमा के अनुमानित 3,970 मामले NO2 प्रदूषण से जुडे हो सकते हैं। ग्रीनपीस इंडिया में क्लाइमेट जस्टिस कैम्पेनर सेलोमी गार्नियाक ने कहा कि यह रिपोर्ट एक महत्वपूर्ण सत्य को पेश करती हैः वायु प्रदूषण दिल्ली या उत्तर भारत तक सीमित नहीं है। भारत के शहरों में उच्च NO2 स्तरों में परिवहन क्षेत्र का सबसे बड़ा योगदान है। जैसे-जैसे शहर बढ़ते हैं, निजी वाहनों के बढ़ने से हवा की गुणवत्ता खराब होती है और सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे में पड़ता है। इससे निपटने के लिए, हमें एक स्थायी, कुशल सार्वजनिक परिवहन प्रणाली की ओर बुनियादी बदलाव की आवश्यकता है। स्वच्छ, अधिक सुलभ पारगमन विकल्पों में निवेश करना केवल एक पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं है, यह एक तत्काल सार्वजनिक स्वास्थ्य अनिवार्यता है। सरकार को स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करने के लिए स्वच्छ गतिशीलता समाधानों को प्राथमिकता देनी चाहिए। जयपुर, बेंगालुरु, हैदराबाद, चेन्नई, मुंबई, कोलकाता और पुणे जैसे शहरों में वायु प्रदूषण संकट से निपटने के लिए, ग्रीनपीस इंडिया एक क्षेत्र-विशिष्ट दृष्टिकोण की सिफारिश करता है। इसमें ठअअदर को अपडेट करना, प्रदूषण से संबंधित स्थितियों के निदान के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल को मजबूत करना, स्वास्थ्य सलाहकार प्रणाली लागू करना और कमजोर समूहों (बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं, बाहरी श्रमिकों और पहले से मौजूद स्थितियों वाले लोगों) के लिए हस्तक्षेप को प्राथमिकता देना शामिल है।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालयः

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)

मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

केन्द्रीय विद्यालय के रूप में जनपद वासियों को मिली एक बड़ी सौगातः गिरीश चन्द्र यादव

डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश सरकार के खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री एवं जौनपुर के विधायक गिरीश चन्द्र यादव ने नगर स्थित अपने कार्यालय पर प्रेस वार्ता के दौरान यह बताया है।कि उनके द्वारा पिछले तीन वर्षों से लगातार प्रयास के बाद विगत 06 दिसम्बर दिन शुक्रवार को केन्द्र सरकार की आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया।उसमे पूरे देश में 85 नये केन्द्रीय विद्यालय खोलने के निर्माण की संस्तुति दी है। इन 85 विद्यालयों में उत्तर प्रदेश में 05 विद्यालय खुलने की सस्तुति हुई है। जिसमें अपने जनपद जौनपुर को भी एक बड़ी सौगात मिली है। पयागीपुर जो जौनपुर शाहगंज रोड पर है वहां आई०टी०आई० परिसर में केन्द्रीय विद्यालय हेतु भूमि आवंटित हो गई है। पिछले 03 वर्षों से इस विद्यालय की खुलवाने हेतु हर स्तर पर जो भी प्रयास किया जा रहा था। उसको मैंने पूरा किया और जितनी बाधा श्री. उनकी एक-एक करके दूर करने का प्रयास किया। आज मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, उ०प्र० के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं उ०प्र० सरकार के शिक्षा मंत्री के आशीर्वाद से जनपद जौनपुर के विकास में एक नया अध्याय लिखा गया है। इन सभी विद्यालयों के लिये 5872.08 करोड रुपए (जिसमें 2062.71 करोड़ रुपए निर्माण एवं अन्य व्यवस्थाओं हेतु तथा 3009.37 करोड़ रुपए इसके परिचालन हेतु स्वीकृत किये गये हैं। ये सभी विद्यालय केन्द्रीय विद्यालय संगठन के मानक के अनुरूप होगे अतः इसमें जौनपुर के विद्यालय बजट लगभग करोड रुपए होता है। यह विद्यालय केन्द्रीय विद्यालय संगठन के मानक के अनुरूप परियोजना को लागू करते हुए प्रशासनिक ढांचा तैयार करेगा।

जौनपुर के केन्द्रीय विद्यालय में 960 छात्र पढ़ाई करेंगे और 63 अध्यापक एवं अन्य कर्मचारियों की होगी नियुक्ति

इसके अन्तर्गत अपने जौनपुर के विद्यालय में 960 छात्र पढ़ाई करेंगे और 63 अध्यापक एवं अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति होगी। जिससे इतने लोगों को स्थायी रोजगार के अवसर उपलब्ध होगें। इसके अतिरिक्त निर्माण कार्य एवं अन्य सुविधाओं एवं गतिविधियों को पूर्ण करने में परोक्ष रूप से रोजगार के अवसर उपलब्ध होगे। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन केन्द्रीय विद्यालय संगठन इन केन्द्रीय विद्यालयों का सचालन करता है। जो मुख्य रूप से केन्द्र सरकार के कर्मचारियों के बच्चों, सेना एवं अर्धसैनिक बलों में कार्यरत कर्मचारियों के बच्चों एवं पिछड़े एवं दूर दराज क्षेत्र के बच्चों को उच्च स्तर की शिक्षा देता है। भारत सरकार की नयी शिक्षा नीति-2020 के तहत सभी केन्द्रीय विद्यालय पी०एम० श्री विद्यालय की श्रेणी में नामित है। केन्द्रीय विद्यालय अपनी अच्छी शिक्षण व्यवस्था, आधुनिकतम ढांचागत निर्माण एवं शिक्षा में नवाचार के लिये पूरे देश में लोकप्रिय है। यह विद्यालय सी०बी०एस०ई० बोर्ड के अन्तर्गत संचालित होते है और केन्द्रीय विद्यालयों का प्रदर्शन और परिणाम लगातार सबको अच्छे रहते है। अन्त में पुनः मैं अपने शीर्ष नेतृत्व, शिक्षा मंत्रालय एवं उन सभी का जिन्होने इस सपने को साकार करने में हर संभव मदद की उनका धन्यवाद देना चाहता हूँ। उक्त अवसर पर पूर्व विधायक सुरेन्द्र प्रताप सिंह, पूर्व नगर अध्यक्ष श्याम मोहन अग्रवाल, पूर्व जिलाध्यक्ष हरिशचन्द्र सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रतिनिधि अजय कुमार सिंह, पूर्व नगर अध्यक्ष आशीष गुप्ता. भाजपा मण्डल अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव, राजकेशर पाल, धमेन्द्र मिश्रा, विकास शर्मा, नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि राम सूरत मौर्या, सभासद नन्दलाल यादव, बसन्त प्रजापति, सन्तोष मौर्या, पूर्व सभासद, शिव कुमार मौर्या, मीडिया प्रभारी मनीष श्रीवास्तव, डा० ब्रम्हेश शुक्ल कार्यालय प्रभारी, धर्मपाल कन्नौजिया उपस्थित रहे।

राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी के जन्मदिवस पर ब्लड डोनेशन कैम्प का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की पूर्व अध्यक्ष एवं राज्य सभा सांसद सोनिया गांधी के जन्मदिवस पर 9 दिसंबर 2024 को सभी जनपदों में ब्लड डोनेशन कैंप आयोजन करने का निर्णय लिया गया।

इसी क्रम मे जनपद जौनपुर मे जिला एवं शहर कांग्रेस के सदस्यों द्वारा जिला अस्पताल परिसर मे ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया गया। हम सबकी प्रेरणाश्रोत, विनम्र, सहज और पूरे देश को एक सूत्र में बांधने का भाव रखने वाली हमारी नेता आदरणीय सोनिया गांधी जी के जन्मदिवस पर रक्त दान से अच्छा कोई दूसरा उपहार हम कांग्रेसजनों की ओर नहीं हो सकता।

इस अवसर पर शहर अध्यक्ष विशाल सिंह हुकुम ने कहा कि आज देश में जिस तरह विषाक्त माहौल वर्तमान भाजपा सरकार द्वारा बनाया जा रहा है और दिन प्रतिदिन उसे भाजपा के वरिष्ठ नेताओं द्वारा बढ़ाया जा रहा है वह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। बटोगे तो कटोगे की सियासत करने वाली भाजपा इस देश के संविधान की मूल भावना का अनादर करती है। यह लोग भारत के लोकतांत्रिक और सेक्युलर चरित्र को खत्म करना चाहते हैं। मगर हम जौनपुर कांग्रेस के लोग आज श्रीमती सोनिया गांधी जी के जन्मदिन के अवसर पर प्रतिज्ञा करते है कि भाजपा सरकार के नापाक मंसूबों को विफल करने के लिए हम राजनैतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक हर तरीके की लड़ाई लड़ेंगे। इस अवसर पर जिला उपाध्याय सुरेंद विक्रम सिंह बाबा, राजकुमार गुप्ता, विकेश उपाध्याय, अजय सोनकर, अमन सिन्हा, देवराज पांडेय, नेसार इलाही, शशांक राय, आदिल, अमीश श्रीवास्तव, इकबाल आदि मौजुद रहे।

शाहगंज पुलिस ने 2 शातिर अभियुक्तों को 1-1 अवैध तमंचा व कारतूस के साथ किया गिरफ्तार

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस कप्तान डॉ0 अजय पाल शर्मा द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे ।अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर अरविन्द कुमार वर्मा के दिशा निर्देशन व क्षेत्राधिकारी शाहगंज जौनपुर अजीत सिंह चौहान के पर्यवेक्षण में थाना शाहगंज पुलिस टीम द्वारा 02 शातिर अभियुक्त क्रमशः 1.रतन गौतम पुत्र रामसूरत गौतम निवासी पुरे आजम थाना शाहगंज जनपद जौनपुर 2.अरुण कुमार बिन्द पुत्र राम जियावन बिन्द निवासी अक्खीपुर थाना शाहगंज जनपद जौनपुर को एक-एक नाजायज तमंचा व कारतूस के साथ भिन्न भिन्न स्थानों से आज दिनांक 09.12.2024 को चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर क्रमशः मु0अ0सं0 409/2024 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट बनाम रतन गौतम पुत्र रामसूरत गौतम निवासी पुरे आजम थाना शाहगंज जनपद जौनपुर व मु0अ0सं0 410/2024 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट बनाम अरुण कुमार बिन्द पुत्र राम जियावन बिन्द निवासी अक्खीपुर थाना शाहगंज जनपद जौनपुर पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

खेतासराय पुलिस ने तमंचा व कारतूस के साथ 2 तस्करों को किया गिरफ्तार

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। डॉ0 अजय पाल शर्मा, पुलिस कप्तान जौनपुर के निर्देशन में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे।अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज के पर्वेक्षण में थानाध्यक्ष खेतासराय के नेतृत्व में थाना खेतासराय पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान 02 अभियुक्त 1.अकमल पुत्र असलम निवासी ग्राम लेदरही थाना खेतासराय जनपद जौनपुर 2.हसनैन उर्फ गज्जू पुत्र हदीश निवासी ग्राम बीरीशमशुद्दीनपुर थाना खुटहन जनपद जौनपुर हालपता-ग्राम लेदरही थाना खेतासराय जनपद जौनपुर को 01-01 तमंचा .315 बोर व 01-01 जिन्दा कारतूस .315 बोर के साथ क्रमशः अमरेथुआ मोड़, सोंगर तथा कासिमपुर मोड़ से गिरफ्तार किया गया। उक्त के सम्बंध में थाना स्थानीय पर क्रमशः मु0अ0सं0 255/2024 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट बनाम अकमल पुत्र असलम निवासी ग्राम लेदरही थाना खेतासराय जनपद जौनपुर व मु0अ0सं0 256/2024 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट बनाम हसनैन उर्फ गज्जू पुत्र हदीश निवासी ग्राम बीरीशमशुद्दीनपुर थाना खुटहन जनपद जौनपुर हालपता-ग्राम लेदरही थाना खेतासराय जनपद जौनपुर पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय भेजा जा रहा है।

सर्विस सेंटर पर कर्मचारी की संदिग्ध मौत से इलाके में फैली सनसनी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शाहगंज मार्ग पर संचालित एक वाहनों की धुलाई सेंटर पर कार्यरत एक युवक की रविवार को सर्विस सेंटर के कुएं में संदिग्ध परिस्थितियों में लाश पाए जाने से सनसनी फैल गई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम हेतु भेज दिया है। घटना को लेकर थाने में कोई तहरीर नहीं दी गई है। खुटहन बाजार निवासी मुहम्मद अजीज के 25 वर्षीय पुत्र डब्बल अजीज शाहगंज मार्ग के कैराडीह गांव में सुभाष सर्विसिंग सेंटर पर नौकरी करता था। वह उसी सेंटर पर रात्रि विश्राम भी करता था। रविवार की सुबह सर्विसिंग सेंटर के कुएं में उसका शव उतराया पाया गया। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव को बाहर निकलवाकर अस्पताल ले गई जहां देखते ही चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थानाध्यक्ष दिव्य प्रकाश सिंह ने बताया कि घटना संदिग्ध प्रतीत होती है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट हो पायेगी।

सरकारी चकमार्ग को दबंगों ने ट्रैक्टर से जोतकर खेत में मिलाया

ग्रामीणों ने प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई किये जाने की किया मांग

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मछलीशहर स्थानीय क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत पराहित में 40 साल पुराने कच्चे रास्ते को गांव के दबंगो द्वारा ट्रैक्टर से जोतकर अपने खेत मे मिला लिया। उक्त दबंग व्यक्ति पराहित गांव निवासी राजमुर्ती यादव पुत्र रामबोद एवं शशि यादव राजू यादव पुत्र राजमुर्ती के द्वारा खड़े होकर ट्रैक्टर से कच्चे चकमार्ग की गाटा संख्या 1918 को जोतवाकर खेत में मिल लिया। जिससे ग्रामीणों को आने-जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पढ़ रहा है। जिसकी शिकायत शनिवार को ग्रामीणों ने तहसील पहुँचकर संपूर्ण समाधान दिवस पर उपजिलाधिकारी को देते हुए उक्त दबंगो के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की। शिकायत करने वालों में अनिल कुमार पटेल, दिलीप कुमार, महेंद्र कुमार, राजदेव यादव, सभाजीत यादव, राहुल यादव, अजय यादव, सिद्धार्थ कुमार, अजीत यादव, अमृत लाल यादव, राजकुमार सरोज, नौशाद, अभिषेक, शिवम, गौरी शंकर, सेवालाल, हरी लाल, गोली पासी, और सुनील कुमार सहित तमाम ग्रामीण उपस्थित रहे।

पीयू विद्यार्थियों को विश्वस्तरीय सुविधा के लिए प्रतिबद्ध : प्रो .वंदना सिंह

- छात्रों को इंडस्ट्रियल इक्स्पोजर दिया जाना चाहिएः नवल किशोर पांडेय
- विश्वविद्यालय इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग एक्सपर्ट को भी जोड़ेः विनीत सिंह
- अलुमिनी सेल को स्ट्रेंगथन करने पर जोर दे विविः डॉ.क्षितिज शर्मा
- शोध की गुणवत्ता, रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करने समेत लिए गए 37 निर्णय

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में सोमवार को आई.क्यू.ए.सी. (आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ) की बैठक कुलपति प्रो. वंदना सिंह की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग हॉल में आयोजित हुई। बैठक में विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम और शोध की गुणवत्ता में सुधार और छात्रों को रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करने के लिए कुल 37 निर्णय लिए गए। इसमें औद्योगिक और शैक्षणिक विशेषज्ञों ने भाग लिया। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को विश्वस्तरीय सुविधा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस क्रम में शैक्षिक सुधार के साथ- साथ विश्वविद्यालय शोध और रोजगार के अवसर प्रदान करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बैठक में लिए गए निर्णय विश्वविद्यालय में शोध और शिक्षण की गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होंगे।

बैठक में ए.वी.पी. सोडेक्सो अदानी अकाउंट्स के एसोसिएट एडिशनल डायरेक्टर नवल किशोर पांडेय ने कहा कि विश्वविद्यालय में संसाधनों की कमी नहीं है। विश्वविद्यालय के छात्रों को इंडस्ट्रियल एक्स्पोजर दिया जाना चाहिए जिससे की शिक्षा को रोजगारपरक बनाया जा सके, साथ ही वह अपने संस्था में विश्वविद्यालय के छात्रों हेतु इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करने पर भी सहयोग करेंगे। विनीत सिंह एंड एसोसिएट, गुरुग्राम के एम.डी. एवं चेयरमैन विनीत सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय को पुस्तकालय में छात्रों हेतु इन्डस्ट्रियल मैगजीन की सुविधा भी प्रदान की जानी चाहिए जिससे छात्रों मे रुचि बढ़े, साथ ही साथ विश्वविद्यालय को विभिन्न क्षेत्रों के इन्डस्ट्रियल ट्रेनिंग एक्सपर्ट को भी जोड़ना चाहिए। चिकित्सक डॉ. क्षितिज शर्मा ने कहा कि अलुमिनी सेल को स्ट्रेंगथन करने पर विशेष जोर दिया जाना चाहिए।

बैठक में अन्य कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए, जिनमें शोध की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए उच्च प्रभावकारी पत्रिकाओं में शोध कार्य प्रकाशित करने पर प्रोत्साहन राशि प्रदान करने की नीति को मंजूरी दी गई। इसके साथ ही उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के बीच सहयोग को प्रोत्साहन देने के लिए कार्ययोजना तैयार करने हेतु एक समिति गठित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में महाविद्यालयों के शोध छात्रों को विश्वविद्यालय की प्रयोगशालाओं में शॉर्ट टर्म विजिट की अनुमति देने का निर्णय हुआ। पेटेंट के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने और रहअ अट पोर्टल के पाठ्यक्रमों को क्रेडिट आधारित प्रणाली में शामिल करने की योजना को भी स्वीकृति मिली। इसके अतिरिक्त, छात्रों के लिए नियमित बस सेवा, योग को पाठ्यक्रम में शामिल करने, पीएच.डी. थीसिस के ऑनलाइन और समयबद्ध मूल्यांकन और राष्ट्रीय/ अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग संस्थानों में भागीदारी बढ़ाने के लिए निदेशक रैंकिंग्सह्व को नामित करने का निर्णय भी लिया गया। बाह्य विशेषज्ञों की टीम ने कुलपति के साथ रज्जू भइया संस्थान, इंजीनियरिंग संस्थान और प्रबंध अध्ययन संस्थान का विजिट किया। समन्वयक, आई.क्यू.ए.सी. प्रो. गिरिधर मिश्र ने बैठक की शुरूआत में सभी सदस्यों का स्वागत किया।

बैठक में प्रो. सौरभ पाल, प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. रजनीश भास्कर, डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव, डॉ. संजीव गंगवार, कुलसचिव महेंद्र कुमार समेत समिति सदस्य उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन आई.क्यू.ए.सी. सह समन्वयक डॉ. धीरेन्द्र चौधरी ने किया।

प्रेमी संग पकड़ाई विवाहिता, मामला पहुंचा शाहगंज कोतवाली

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रेम में पागल एक युवक नोएडा से मिलने अपनी प्रेमिका पास चला आया। मामला शाहगंज कोतवाली क्षेत्र के एक गांव का है जहां विवाहिता और उसके प्रेमी को धर लिया गया है।

बताया जाता है कि शाहगंज नगर क्षेत्र से सटे एक गांव की विवाहिता का अलीगढ़ के रहने वाले युवक से लगभग दो वर्ष से प्रेम चल रहा था। रविवार की रात प्रेमी से मिलने उसके घर गया और दोनों भागने की तैयारी में थे। तभी परिजनों को शंका हुई घर के पिछवाड़े जाते देखा तो विवाहिता और उसका प्रेमी एक बैग ले कर भागने के फिराक में थे। तभी परिजनों ने धर दबोचा शोर शराबा होने पर अगल बगल के लोग भी जुट गए। इतने पे मौका पाकर प्रेमी ने डायल 112 को मौके पे बुला लिया।मौके पे पहुंची पुलिस ने विवाहिता और उसके प्रेमी को कोतवाली लाई। सोमवार की सुबह विवाहिता के मायके और ससुराल पक्ष के लोग थाने में जुट गए। तो वही विवाहित और उसका प्रेमी एक दूसरे के साथ जाने की जिद पे अड़े रहे।काफी जद्दो जेहद के बाद विवाहिता अपने प्रेमी के साथ देर शाम उसके साथ चली गयी।

समाजवादी मजदूर सभा की आयोजित हुई मासिक बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।कलेक्ट्रेट के सामने अर्जुन भवन में मासिक बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर तमाम पदाधिकारी मौजूद रहकर समाज में दबे कुचले वर्ग व मजदूरों की समस्याओं पर अपने अपने विचार रखें।

इस मौके पर मुख्य अतिथि समाजवादी मजदूर सभा के राष्ट्रीय महासचिव डा. अमित यादव ने अपने सम्बोधन में संगठन को और मजबूत बनाने पर जोर दिया। अमित यादव ने मौजूदा सरकार की नीतियों का विश्लेषण करते हुए कहा कि ये सरकार चंद उद्योग पतियों के फायदे का काम कर रही है। मजदूर, किसानों तथा युवाओं के तकलीफों के बारे में जरा भी चिंतित नहीं है। तमाम बैकेन्सी खाली पड़ी है। मगर सरकार नियुक्ति पर ध्यान नही दे रही है। अमित यादव ने आगे कहा कि योगी सरकार फायर ब्रिगेड में तमाम संसाधन अत्याधुनिक गाड़ियां एवं अन्य महंगे अग्नि शमन यंत्र कमीशन के लिए खरीद लेती हैं मगर उसको चलाने वाले ड्राइवर एवं अन्य विशेषज्ञों की नियुक्ति नहीं करती। अग्नि शमन विभाग में निदेशक और संयुक्त निदेशकों की सभी पद रिक्त हैं।

आगे उन्होंने कहा कि अगर कहीं आगजनी की कोई बड़ी घटना हो गई तो उससे निपटने में दिक्कत आयेगी और उस दुर्घटना से होने वाली जान माल के नुकसान की जिम्मेदारी भाजपा सरकार की होगी।जिला अध्यक्ष ने सभी विधानसभा अध्यक्षों से अनुरोध किया कि जल्द से जल्द विधानसभा कार्यकारिणी घोषित करें तथा हर महीने की 5 तारीख को विधानसभा की मासिक बैठक करें।

मासिक बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष मनोज कुमार शर्मा ने किया। प्रदीप यादव मनीष शर्मा अजय यादव बीरेंद्र अहमद कासिम मो अजीम जे के निषाद इंद्रेज मेंहदी लाल अरविंद यादव अमरनाथ सेठ अनीस खान आदि मौजूद रहे। संचालन जिला महासचिव मंजय कन्नौजिया ने किया।

पानी की टंकी में डूब कर हुई मासूम की मौत

शादी के शोरगुल में दब कर रह गई मासूम की आवाज

डॉ.एस.के.मिश्र, वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के बेनीपुर चंगवार गांव में पानी टंकी में डूबने से 4 वर्षीय आयूष की मौत हो गई। वह घर के बाहर पानी की टंकी पर चढ़कर बारात देख रहा था।इसी दौरान उसकी पैर फिसल गया और वह पानी की टंकी में गिर गया। बारात के शोर में किसी का ध्यान बालक की ओर नहीं गया और बैंड-शहनाई में उसकी चीख पुकार भी किसी को सुनवाई नहीं दी। कुछ घंटे बाद जब तलाश शुरू हुई तो पूरे गांव में ढूंढा गया। कुछ देर बाद एक महिला जब टंकी से पानी लेने के लिए गई तो मासूम का शव उतराता मिला। शव की सूचना के बाद गांव में हड़कंप मच गया। आनन फानन में मासूम को पानी से बाहर निकाला गया। परिजन मासूम को लेकर पास के एक अस्पताल में गए। जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिवार में मानों कोहराम मच गया। परिजनों ने बताया कि मिजार्मुराद क्षेत्र के बेनीपुर चंगवार गांव में शनिवार की रात छोटेलाल गुप्ता के सभी परिजन शादी समारोह में शामिल होने गए थे। इसी दौरान छोटेलाल का छोटा बेटा आयुष नामक 4 वर्षीय मासूम पुत्र पानी टंकी पास खड़े होकर बारात देख रहा था। कुछ देर बाद वह लकड़ी के सहारे पानी टंकी पर चढ़कर अमरूद तोड़ने लगा। सभी की नजर ओझल हुई और वह अमरूद तोड़ने के चक्कर में पानी टंकी के अंदर गिर गया। पानी की टंकी में ऊपर तक पानी होने के चलते वह डूब गया। शादी संपन्न होने के बाद परिजन मासूम को खोजने लगे। मासूम के घंटो न मिलने से परिजनों में अफरा तफरी मच गई। घंटों बाद पड़ोस की एक महिला ने पानी टंकी के अंदर झांका तो मासूम पानी में डूबा हुआ था। आनन फानन में उसे डॉक्टर के पास ले गए लेकिन तब तक दम तोड़ चुका था। मृतक आयुष चार भाइयों में सबसे छोटा था। मृतक की मां मीनू देवी समेत पूरे परिवार का रो-रो कर बुरा हाल हो गया है।

अवैध असलहा के साथ पकड़ में आया शातिर, दर्ज हैं कई मामले

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में अपराध रोकने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत वाराणसी पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की। दशाश्वमेध थाना क्षेत्र की पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर शातिर अपराधी सलमान शाह उर्फ मिनाज (पुत्र मुस्तफा) को अवैध असलहा के साथ गिरफ्तार किया है। उसे थाने लाकर पूछताछ शुरू किया गया! पुलिस ने उसे गश्त के दौरान भूतेश्वर मंदिर के पास से पकड़ा। उसके पास से एक देशी तमंचा (0.315 बोर) और एक कारतूस बरामद किया। सलमान वाराणसी के लालपुर पांडेयपुर क्षेत्र का निवासी है। इस मामले में मुकदमा संख्या 101/2024 के तहत धारा 3/25, आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर लिया गया है! गिरफ्तार अभियुक्त का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। सलमान के खिलाफ वाराणसी के विभिन्न थानों में लूट, हत्या के प्रयास और अवैध हथियार रखने जैसे गंभीर अपराधों के मामले दर्ज हैं। पुलिस टीम में चौकी प्रभारी उप-निरीक्षक दिगंबर उपाध्याय, कांस्टेबल रमेश चंद्र यादव और कांस्टेबल मोहम्मद तौफिक शामिल थे।

दिव्यांग बच्चों का हुनर किसी से कम नहीं: रविद्र सिंह

नहीं मिल रही है पर्याप्त बिजली, दुर्गा पूजा समिति ने डीएम से की शिकायत

- छतरपुर मध्य प्रदेश के जिला जज ने बच्चों को किया पुरस्कृत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर रचना विशेष विद्यालय परिसर में अन्तिम दिन सोमवार को विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला जज छतरपुर (म.प्र.) रविन्द्र सिंह रहे। विशिष्ट अतिथि नानक पब्लिक स्कूल के प्रबन्धक सरदार मनमोहन सिंह, लायन्स क्लब जौनपुर सूरज के पूर्व अध्यक्ष एमजेएफ संतोष साहू बच्चा रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब के अध्यक्ष विकास साहू विक्की और कोषाध्यक्ष अमित साहू ने संयुक्त रूप से किया।इस मौके पर समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि म.प्र. के जिला जज रविन्द्र सिंह ने बच्चों के कार्यक्रम को सराहा। उन्होंने कहाकि भारत सरकार एवं न्यायपालिका में दिव्यांगजनों के लिए विशेष अवसर एवं सुविधाएं उपलब्ध हैं। श्री सिंह ने कहाकि आज इस सांस्कृतिक कार्यक्रम के समापन समारोह में आकर मुझे बड़ा हर्ष हो रहा है। इनका हुनर सामान्य बच्चों से कम नहीं है। मेरी ईश्वर से यही प्रार्थना है कि ये सभी दिव्यांग बच्चे आगे बढ़कर अपने मां-बाप और विद्यालय का नाम रौशन करें। उन्होंने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। लायन्स क्लब जौनपुर सूरज के पदाधिकारियों ने दिव्यांग बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें पुरस्कार व स्वल्पाहार वितरित किया जिससे बच्चों की खुशी का ठिकाना न रहा। विद्यालय के दिव्यांग बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये जिनमें नृत्य, स्वागत गान, लघु नाटिका तथा अन्य कार्यक्रम शामिल रहे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले बच्चों में खुशी, माही, अंकिता, रिया, महिमा, जहरा, प्रिया, देव, नैतिक, अर्पित, प्रियांशु, अमर, कान्ता, हरिओम, आसिफ, किशन, अकित आदि शामिल रहे। इसके पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना व स्वागत गीत सोनल और तनू ने किया। अतिथियों ने दीप प्रज्जवलन कर सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस मौके पर क्लब के एमजेएफ त्रिपुण्ड भाष्कर मौर्य, पूर्व अध्यक्ष राजेन्द्र खत्री, विद्यालय के प्रवक्ता डा. संतोष कुमार सिंह, सचिन यादव, गुलाम अब्बास जैदी, प्रधानाचार्य गौतम चन्द, विशेष शिक्षक रवि रंजन, जितेन्द्र, दामिनी, बबिता सिंह, नीतू, होरेन्द्र, लाल साहब आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अपना सहयोग दिया। कार्यक्रम का संचालन व आभार नसीम अख्तर ने किया।

जन्मदिन पर अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन संपन्न

अलीगढ़। कवि, लेखक, साहित्यिकार, सनातन धर्म के मार्गदर्शक एवं सार्वभौम सनातन धर्म महासभा के संयोजक रामजी लाल वर्मा कल्याण, ठाणे के पैतृक गांव अलीगढ़ में प्रपौत्र वेदांश के पांचवें जन्मदिन के शुभ अवसर पर अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन पूर्व पार्षद वीरेन्द्र सिंह द्वारा माँ शारदे की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। सरस्वती वंदना उत्कृष्ट कवयित्री नमिता नमन दिल्ली द्वारा प्रस्तुत की गई। कवि सम्मेलन की अध्यक्षता प्रख्यात हास्य कवि हलचल हरियाणवी ने किया तथा मुख्य अतिथि के रूप में व्रजराज वर्मा उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि साहित्यकारों में गीतकार डॉ. राम स्वरूप साहू स्वरूप मुंबई, डॉ. त्रिलोक चन्द त्रिलोक फतेहपुरी, मुख्य अतिथि शिव नाथ सिंह शिव रायबरेली, विनोद माहेश्वरी मैनपुरी, देवान्शी माहेश्वरी मैनपुरी, संगीता राज अलीगढ़, कमल कान्त श्रीवास्तव बरेली,सुधीर जगधर शामली, अरविन्द श्रीवास्तव दतिया मध्य प्रदेश, गीतकार दयाराम दर्द फिरोजावादी मुंबई, नमिता नमन दिल्ली, रामदेव शर्मा राही छाता मथुरा, गाफिल स्वामी इगलास, रवेन्द्र पाल सिंह रसिक मथुरा, महावीर सिंह वीर रुड़की, श्यामाचरण शर्मा द्वारा किया गया। मंच संचालन वरिष्ठ कवि डॉ. त्रिलोक चन्द्र त्रिलोक फतेहपुरी ने किया। परिवार की बेटी उत्कृष्ट कवियत्री कुसुम सोनकिया ने बच्चे को शुभकामनाएं देते हुए क्या खूब कहा -

खिलता हुआ फूल है मेरा भतीजा वेदांश।
चमकता हुआ सितारा है मेरा भतीजा वेदांश।
उगता हुआ सूरज है मेरा भतीजा वेदांश।

वेदांश के जन्मदिन पश्चात कुसुम सोनकिया के पति विजय सोनकिया सहित दोनों को उपस्थित सभी साहित्यकारों ने शादी के वर्षगांठ की शुभकामनाएं एवं बधाइयां दिया। अंत में आयोजक रामजीलाल वर्मा ने उपस्थित सभी साहित्यकारों का आभार व्यक्त किया।

पर्नोड रिकार्ड इंडिया कर रही है गांवों का कायाकल्प

मुंबई। पर्नोड रिकार्ड इंडिया (पीआरआई) पर्यावरण के अनुकूल खेती

करने और लोगों को सशक्त बनाने के लिए अपनी परिवर्तनकारी पहलों से ग्रामीण विकास को बढ़ावा दे रही है। वाल (वाटर, एग्रीकल्चर, लाइवलीहुड) के क्षेत्र में पीआरआई के सीएसआर प्रोग्राम्स के तहत हर साल 10,000 से ज्यादा किसानों के साथ मिलकर काम किया जाता है। इससे कृषि के क्षेत्र में मजबूती, नई-नई खोजों तथा समावेशन को बढ़ावा मिल रहा है। वाल मुख्य रूप से सामुदायिक आधार पर पूरे साल पानी को सुलभ बनाने, बेहतर उत्पादन के लिये माइक्रो-इरिगेशन को बढ़ावा देने, सूखे से निपटने, संसाधनों का अच्छे से उपयोग करने और स्थानीय आधार पर वैल्यू चेन बनाने पर केन्द्रित है। इसकी सहायता से अब तक कृषि उपज को 20% तक बढ़ाने में सफलता मिली है और इनपुट का खर्च 22% कम हुआ है। इंटीग्रेटेड ऑपरेशंस और एस एण्ड आर (सस्टेनेबिलिटी एण्ड रिस्पॉन्सिबिलिटी) के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट गगनदीप सेठी ने कहा, पर्नोड रिकार्ड इंडिया में हमारी एस एण्ड आर की पहलें गुड टाइम्स फ्रॉम अ गुड प्लेस के सिद्धांत पर चलती हैं। वाल पहल संवहनीयता के लिये हमारे सभी प्रयासों में सबसे आगे है। यह सामुदायिक सशक्तिकरण से संवहनीय कृषि के लिये हमारी प्रतिबद्धता दिखाती है। इसमें हम जल सुरक्षा, अभिनव पद्धतियों और सार्थक प्रभाव पर ध्यान देते हैं। आईओटी टेक्नोलॉजी और एआई से संचालित विश्लेषण द्वारा पीआरआई लंबे समय तक रहने वाला असर कर रही है।

एयरटेल ने जारी की स्पैम रिपोर्ट, स्पैम सॉल्यूशन के लॉन्च के बाद दिखे नेटवर्क ट्रेंड का किया विश्लेषण

मुंबई(उत्तरशक्ति)। भारत के पहले स्पैम-फाइटिंग नेटवर्क भारती एयरटेल ने अपने एआई-संचालित स्पैम-फाइटिंग सॉल्यूशन को लॉन्च करने के ढाई महीने के भीतर ही 8 अरब स्पैम कॉल और 0.8 अरब स्पैम एसएमएस को चिह्नित किया है। इस एडवांस्ड एल्गोरिदम की मदद से, एआई-संचालित नेटवर्क ने हर दिन लगभग एक मिलियन स्पैमर्स की पहचान सफलतापूर्वक की है। पिछले ढाई महीनों में कंपनी ने लगभग 25.2 करोड़ यूनिक कस्टमर्स को इन स्पैम कॉल्स के बारे में सतर्क किया है और देखा गया है कि ऐसे कॉल्स का जवाब देने वाले ग्राहकों की संख्या में 12% की कमी आई है। एयरटेल नेटवर्क पर सभी कॉल्स में से 6% को स्पैम कॉल्स के रूप में पहचाना गया है, जबकि कुल एसएमएस का 2% भी स्पैम के रूप में चिन्हित किया गया है। दिलचस्प तथ्य यह है कि 35% स्पैमर्स ने लैंडलाइन टेलीफोन का इस्तेमाल किया है। दिल्ली के ग्राहकों को सबसे ज्यादा स्पैम कॉल प्राप्त हुए हैं, उसके बाद आंध्र प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ग्राहकों को। सबसे ज्यादा स्पैम कॉल दिल्ली से की गई, उसके बाद मुंबई और कर्नाटक से। एसएमएस के मामले में सबसे ज्यादा एसएमएस गुजरात से भेजे गए, फिर कोलकाता और उत्तर प्रदेश से। सबसे ज्यादा ग्राहक मुंबई, चेन्नई और गुजरात के निशाने पर रहे। रिपोर्ट में सामने आए ट्रेंड के मुताबिक, 76% स्पैम कॉल पुरुष ग्राहकों को की गई है। उम्र के आधार पर भी स्पैम कॉल की संख्या में अंतर देखा गया है। 36-60 आयु वर्ग के ग्राहकों को 48% स्पैम कॉल मिली है, जबकि 26-35 आयु वर्ग के ग्राहकों को 26% कॉल की गई। वरिष्ठ नागरिकों के पास केवल 8% स्पैम कॉल पहुंची है। कंपनी के विश्लेषण से स्पैम कॉल के समय का भी पता चला है। स्पैम कॉल सुबह 9 बजे से शुरू होती है और दिन चढ़ने के साथ इनकी संख्या बढ़ती जाती है। स्पैम कॉल की सबसे ज्यादा गतिविधि दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच होती है। इसके अलावा, सप्ताह के दिनों और सप्ताहांत में स्पैम कॉल की संख्या में बड़ा अंतर देखा गया है। रविवार को इन कॉल की संख्या लगभग 40% तक कम हो जाती है।

पीएनबी युवा उद्यमियों को एमएसएमई प्राइम प्लस योजना के साथ कर रहा प्रोत्साहित

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र में देश का प्रमुख बैंक, पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) अपनी एमएसएमई प्राइम प्लस योजना के अंतर्गत 18-35 वर्ष की आयु के एमएसएमई ग्राहकों को 0.05% की रियायती ब्याज दर प्रदान करके युवा उद्यमियों को प्रोत्साहित कर रहा है। इस पहल का उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना, रोजगार सृजन में सहयोग करना और युवा पीढ़ी के लिए वित्तपोषण को अधिक सुलभ बनाना है। पात्र ग्राहक, आरएलएलआर (रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट) + बीएसपी (बैंक-विशिष्ट स्प्रेड) की न्यूनतम ब्याज दर (से नीचे नहीं जाना चाहिए) सीमा सुनिश्चित करते हुए एक वर्ष की अवधि के लिए मौजूदा ब्याज दर पर 0.05% रियायत का लाभ उठा सकते हैं। गैर-व्यक्तिगत उद्यमों, जैसे साझेदारी फर्मों और निजी लिमिटेड कंपनियों आदि के लिए, यह रियायत तभी लागू होती है जब निर्दिष्ट आयु वर्ग के व्यक्तियों के पास न्यूनतम 51% शेयरधारिता और नियंत्रण हिस्सेदारी हो।

राम कदम को चौथी बार विधायक बनने पर दी गई बधाई

मुंबई। गत 2024 को घाटकोपर पश्चिम विधानसभा के विधायक राम कदम को लगातर चौथी बार विजयी होने पर उनके कार्यालय में लोगों ने शाल व श्रीफल देकर बधाई दी। बधाई देने वालों में उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक समाचार पत्र के संवाददाता सुखविंदर सिंह, देवदास मुराजन, हरिकेश जैसवाल समाचार 9 ब्यूरो प्रमुख सहित कई लोग मौजूद रहे। इस मौके पर विधायक ने उपस्थित लोगों को धन्यवाद देते हुए कहा कि आप लोगों के लिए कभी भी किसी भी समय मिलने के लिए मैं हर संभव उपस्थित रहूंगा।

मुंबई में होगा वर्ल्ड हिंदू इकोनॉमिक फोरम 2024 का आयोजन

महाराष्ट्र मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस, उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, गुजरात मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल होंगे शामिल

मुंबई। वर्ल्ड हिंदू इकोनॉमिक फोरम (हल्एत्र्) का वार्षिक सम्मेलन 13 से 15 दिसंबर, 2024 तक जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर, बीकेसी, मुंबई में आयोजित होगा। थिंक इन फ्यूचर फॉर दी फ्यूचर थीम के अन्तर्गत इस आयोजन का उद्देश्य उद्योगों में सहयोग, नवाचार/इनोवेशन और विकास को प्रेरित करना है। तीन दिवसीय कार्यक्रम के मुख्य वक्ताओं में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, एनएसई के सीईओ आशीष कुमार चौहान, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के चेयरमैन के.वी. कामथ और हीरानंदानी ग्रुप के एमडी निरंजन हीरानंदानी सम्मिलित हैं।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर के पूर्व छात्र स्वामी विज्ञानानंद द्वारा स्थापित, WHEF का उद्देश्य स्थायी आर्थिक मॉडल को बढ़ावा देने, व्यापारिक क्षेत्र में आपसी सहयोग बनाने, समाज को समृद्ध बनाने और विश्व स्तर पर पहुँचाने का है । इस वर्ष के फोरम में 24 से अधिक सत्र और 100 से अधिक वक्ता सम्मिलित होंगे। यह फोरम प्रभावशाली नेताओं, उद्यमियों और व्यापारिक क्षेत्र के दूरदर्शी लोगों सहित 1,000 से अधिक वैश्विक प्रतिनिधियों को एक साथ लाएगा। WHEF का मंच वित्त,

प्रौद्योगिकी, विनिर्माण और प्रसाशनिक जैसे क्षेत्र के प्रमुख वक्ताओं के माध्यम से महत्वपूर्ण जानकारी साझा करने का अनूठा प्लेटफार्म है। यह उन उद्यमों के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देता है जो नैतिक आधार पर, समुदाय-संचालित मूल्यों में निहित रहते हुए समृद्धि लाते हैं। स्वामी विज्ञानानंद ने मुंबई में आईएमसी में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा, कि हम विभिन्न क्षेत्रों के प्रभावशाली व्यक्तित्वों के साथ जुड़कर इस बात पर चर्चा करने के लिए उत्साहित हैं कि सभी को लाभान्वित करने वाले टिकाऊ आर्थिक विकास को कैसे आकार दिया जा सकता है। 2012 में स्थापना के बाद से, WHEF हांगकांग, बैंकॉक, नई दिल्ली, लंदन, लॉस एंजिल्स, शिकागो और मुंबई में सफल वार्षिक मंचों के साथ-साथ कुआलालंपुर, ऑकलैंड, फिजी, डरबन और फ्रैंकफर्ट जैसे शहरों में क्षेत्रीय मंचों का आयोजन किया है। आयोजन समिति, WHEF 2024 के अध्यक्ष राजेश शर्मा ने कहा कि डब्ल्यूएचईएफ सम्मेलन दुनिया भर में आयोजित किए गए हैं, और कोविड के बाद हम एक बार फिर भारत लौट आए हैं जो तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के मार्ग पर अग्रसर है और आर्थिक क्षेत्र में विश्व स्तर पर एक सार्थक प्लेयर के रूप में स्थापित होने जा रहा है। मुंबई भारत का विकास इंजन है, और हमारे मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस के पास प्रगति, मजबूत शासन और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने का एक प्रमाणिक ट्रैक रिकॉर्ड है।

जौनपुर लाइन बाजार शहर में अपने कला के माध्यम से पहचान बनाने वाले भोजपुरी के गायक अभिनेता जितेंद्र झा और अलका झा की शादी के 16 वर्ष पूरे होने पर उनके शुभ चिंतकों ने बधाई दी।

देवेंद्र फडणवीस के मुख्यमंत्री बनने से युवाओं में उत्साहः तेजिंदर सिंह तीवाना

मुंबई(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र में तीसरी बार मुख्यमंत्री की शपथ लेने वाले देवेंद्र फडणवीस प्रदेश को दुगनी गति से विकास पथ पर आगे ले जायेंगे। विधानसभा चुनाव में युवाओं ने धर्म और जाति से ऊपर उठकर महायुति का समर्थन किया तथा ऐतिहासिक विजय दिलाई। मुख्यमंत्री आवास वर्षा बंगले पर देवेंद्र फडणवीस का सम्मान करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए भाजपा युवा मोर्चा, मुंबई प्रदेश के अध्यक्ष तेजिंदर सिंह तीवाना ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि देवेंद्र फडणवीस के मुख्यमंत्री बनने से युवाओं में जोश और उत्साह का माहौल है। महाराष्ट्र के सबसे यंगेस्ट मुख्यमंत्री बनने का गौरव प्राप्त कर चुके फडणवीस को महाराष्ट्र का युवा अपना आदर्श मानता है। यही कारण है कि उसे पूरी उम्मीद है कि मुख्यमंत्री युवाओं के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं क्रियान्वित करेंगे। उन्होंने कहा कि युवाओं की शक्ति का सही दिशा में उपयोग होना चाहिए ताकि वे राष्ट्र के निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकें। युवाओं की तरफ से मुख्यमंत्री को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में महाराष्ट्र विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

किड्स वाटिका इंटरनेशनल स्कूल का वार्षिकोत्सव कार्यक्रम आयोजित

पटना(उत्तरशक्ति)। मीठापुर पटना के.पी. सरकार रोड स्थित किड्स वाटिका इंटरनेशनल स्कूल का वार्षिकोत्सव कार्यक्रम स्थानीय भारतीय नृत्य कला मंदिर, फ्रेजर रोड पटना में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि शिक्षा विभाग के जिला प्रोग्राम ऑफिसर अमृत कुमार ने दीप प्रज्वलन कर किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में वर्ल्ड एजुकेशन रिसर्च के प्रेसिडेंट डॉ मिथलेश चौबे, राधा स्वामी संगठन के प्रेसिडेंट दीपक शर्मा तथा अपसा के राकेश रंजन, मुकेश कुमार, उमेश सिंह की उपस्थित रहे।

विद्यालय के संचालक एवं निर्देशक डॉक्टर जितेंद्र कुमार ने बताया कि सम्मानित शिक्षक वृंद,आत्मीय शुभचिंतकों और अभिभावकों के सहयोग एवं समन्वय से विद्यालय उत्तरोत्तर विकास की राह पर चल पड़ा है। इस विद्यालय से पढ़कर अनेक बच्चे जैसे सौरभ कुमार, कुमकुम कमारी, श्रेया राज महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में सर्वोत्तम स्थान प्राप्त कर रहे हैं। विद्यालय में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए उच्च कोटि के शिक्षाविदों की सलाह एवं सहयोग निरंतर प्रप्त हो रहा है। कार्यक्रम में छोटे-छोटे बच्चों की मनमोहक प्रस्तुति ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिया। गणेश वंदना, देश भक्ति गीत, लोकगीत, नए एवं पुराने फिल्मों के गीतों पर अत्यंत मनमोहक तरीके से बच्चों ने अपनी प्रस्तुति पेश किया। नृत्य-नाटिका रक्तबीज दर्शकों को बहुत पसंद आया। विद्यालय के उप प्राचार्य संजू कुमारी ने कार्यक्रम में शामिल शिक्षकों की प्रयास एवं सहयोग की प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त किया। विद्यालय के संयोजक एवं विज्ञान शिक्षक उमानाथ सर ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग के लिए सभी शिक्षकों, व्यवस्थापक समूहों अभिभावकों, विद्यार्थियों, शुभचिंतकों एवं विद्यालय संचालन समिति के सदस्यों को धन्यवाद प्रेषित किया।

विवाहिता ने फंदे से लटककर दी जान

आजमगढ़। अतरौलिया के छितौनी गांव में शनिवार देर शाम एक विवाहिता ने संदिग्ध परिस्थितियों में फंदा लगाकर जान दे दी। सूचना मिलने पर अतरौलिया पुलिस के साथ ही फोरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची। जांच पड़ताल शुरू की। छितौनी गांव निवासी 35 वर्षीय शर्मिला देवी शनिवार शाम को अपने घर के कमरे में लोहे की पाइप के सहारे फंदा लगाकर लटक गई। इसके बाद परिजनों ने आनन फानन में उसे नीचे उतारा और पुलिस को सूचना देते हुए नजदीकी 100 शैय्या अस्पताल और एक प्राइवेट हॉस्पिटल ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने मृतका के मायके वालों को फोन कर जानकारी दी। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार सिंह, उपनिरीक्षक संतोष कुमार भी घटनास्थल पर पहुंचे और फोरेंसिक टीम बुलाकर घटना की जांच में जुट गए। शर्मिला की शादी 2003 में अजय कुमार के साथ हुई थी, अजय रिक्शा चला कर परिवार का भरण पोषण करता था।

इनडीड-नैसकॉम ने फ्यूचर ऑफ वर्क 2024 रिपोर्ट पेश की

पटना(उत्तरशक्ति)। भविष्य की नौकरियों, कार्यबल और कार्यस्थल का विश्लेषण करने के लिए इनडीड और नैसकॉम ने इनडीड की फ्लैगशिप ईवेंट, फ्यूचर वर्कर्स 2024 में अपनी फ्यूचर ऑफ वर्क रिपोर्ट - बैलेंसिंग प्रायोरिटीज इन एन एआई - ड्राईवन वर्ल्ड का चौथा संस्करण पेश किया है। इस रिपोर्ट में नौकरी बाजार के मुख्य ट्रेंड्स तथा नियुक्ति में एआई की भूमिका के मुख्य ट्रेंड्स के बारे में बताया गया है और नियुक्ति प्रक्रियाओं के सरलीकरण व मानवीकरण तथा उनमें तेजी लाने के लिए अपडेट प्रदान किया गया है। इनडीड इंडिया के हेड ऑफ सेल्सए शशि कुमार ने कहा कि इनडीड और नैसकॉम काम के भविष्य के बारे में बातचीत को स्पष्ट बनाने और महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करने के लिए एक साथ आए

हैं। यह साझेदारी अपस्किलिंग, हाईब्रिड मॉडल अपनाने और ऑटोमेशन के लिए अनुकूलित होने का महत्व प्रदर्शित करती है। लगभग 70 प्रतिशत उत्तरदाता वास्तविक व्यवस्था में नई स्किल्स के लिए आवेदन करने के लिए उत्सुक हैं। इसलिए यह रिपोर्ट संगठनों द्वारा मौजूदा तैयारी और भविष्य की मांगों के बीच का अंतर दूर करने की जरूरत पर जोर देती है। संगीता गुप्ता, सीनियर वाईस प्रेसिडेंट एवं चीफ स्ट्रेट्जी ऑफिसर, नैसकॉम ने कहा, टेक्नोलॉजी, मुख्यतः एआई और एमएल में हुई प्रगति नौकरी के बाजार में भी परिवर्तन ला रही है तथा टेक्नोलॉजिकल विशेषज्ञता एवं एनालिटिकल या सॉफ्ट स्किल्स सहित आवश्यक स्किल्स को आकार दे रही है। टेक्नोलॉजी कंपनियों को ऐसी नीतियों और प्रक्रियाओं का क्रियान्वयन करने की आवश्यकता है जो न केवल बदलते परिदृश्य के अनुरूप हों बल्कि कार्यबल के लगातार होते विकास के अनुकूल भी हों।

सादगी से की शादी, बहु को गिफ्ट में दी कार

झुंझुनूं। जिले के गुढ़ागौड़जी कस्बे में निवास कर रहे कुमावत समाज के प्रतिष्ठित बिल्डिंग मैटेरियल सप्लाई प्रतिष्ठान के बालेंद्र कुमार कलोया दयानन्द कुमावत व महेंद्र कुमार कलोया ने हाल ही में अपने सुपुत्र लेफ्टिनेंट दीपक का विवाह बहुत ही शालीनता पूर्वक उत्तरप्रदेश के मोदी नगर के अजयपाल सिंह की सुपुत्री अंशी के साथ सानंद बड़े लोगों के सानिध्य में किया। शादी समारोह में कई हस्तियों ने शिरकत की और गौर करने वाली बात यह रही कि विवाह के स्वरुचि भोज के दौरान भी भोजन के साथ किसी प्रकार का डिस्पोजल उपयोग में नहीं लिया गया और बड़ी आदर पूर्वक मौजीज मेहमानों को लजीज भोजन करवाया गया। लड़के के पिता ने दहेज के नाम पर शगुन में मात्र 1रुपया ही लिया और विवाह उपरान्त बहु को टाटा कर्व मुंह दिखाई के सगुन के तौर पर दी गई। कस्बे की इस शानदार शादी में मेहमानों का आना जाना एवं फोटो सेशन देखने लायक रहा। इस शादी की चर्चा एवं सादगी सबके दिलों में समाई हुई है। इस दौरान मित्रों एवं रिश्तेदारों का हुजूम तो रहा ही साथ ही विवाह में काफी लोगों ने भाग लिया। जिसमें बिसाऊ से भगवती प्रसाद रिटार्यड आर ए एस, पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी, विजेंद्र सिंह इंद्रपुरा, एडवोकेट राजन प्रजापति, टैगोर स्कूल के संचालक वीरपाल सिंह शेखावत, चिड़ावा भाजपा अध्यक्ष बाबू लाल वर्मा, डॉ राजेंद्र कुमावत चिराना, सुशील कुमार निमिवाल उदयपुरवाटी, रायपुर से बिल्डर नवरत्न अड़ावलिया सहित कई संभ्रांत जनों ने वर वधु को आशीर्वाद दिया और सभी ने विवाह में अच्छे कार्यक्रम की प्रशंसा की। सादगी पूर्ण की गई यह शादी समाज के लिए एक संदेश देती है कि दहेज के बिना भी अच्छी शादी हो सकती है, बशर्ते सकारात्मक सोच के साथ हम आगे बढ़े,वैसे भी शिक्षा के बढ़ते दायरे में दहेज लेना कहां उचित है।

वसई विरार महानगर पालिका ने वसई में किया मैराथन प्रतियोगिता

वसई(उत्तरशक्ति)। वसई विरार शहर नगर निगम और वसई तालुका कला खेल विकास बोर्ड के सहयोग से 12वीं राष्ट्रीय वसई विरार शहर नगर निगम मैराथन-2024 को वसई में विधायक स्नेहा दुबे पंडित, वसई विधानसभा अध्यक्ष मनोज पाटिल ,कपिल मत्रे, शिवसेना शिंदे गुट से निलेश तेंदुलकर और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में बड़े उत्साह और खुशी के साथ हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। वसई विरार सिटी म्युनिसिपल मैराथन काफी प्रतिष्ठित है और पिछले 12 सालों से इसका सफलता पूर्वक आयोजन किया जा रहा है। हर साल की तरह इस साल भी इस आयोजन में हजारों प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इस प्रतियोगिता में सभी आयु वर्ग के प्रतियोगी अपनी उम्र और शारीरिक सीमाओं की परवाह किए बिना भाग लेते हैं। मुख्य 42 किमी दौड़ के साथ-साथ 21 किमी, 10 किमी, 5 किमी. यह प्रतियोगिता विभिन्न ग्रुपों में आयोजित की गई। सभी प्रतियोगियों और दर्शकों के बीच उत्साह का माहौल देखा गया। मैराथन जैसी प्रतियोगिताएं खेल भावना, अच्छे स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं।

पत्रकारों ने सामाजिक चेतना फैलाकर देश को किया विकसितः विजय सिंह

जौनपुर। मीडिया लोकतन्त्र का चौथा स्तम्भ है जो सामाजिक चेतना जागृत करने का कार्य सदियों से करता आ रहा है। लोकतन्त्र में जनता को जागरूक होना आवश्यक है। समाचार पत्र सामाजिक चेतना का वह आईना है जो समाज की वस्तुस्थिति का यथार्थ चित्रण करता है। अपनी कलम का उपयोग सामाजिक सरोकार एवं जनक्रान्ति लाने में करता है। पत्रकारों ने सामाजिक चेतना फैलाकर देश को विकसित किया है। उक्त बातें दैनिक भास्कर मुम्बई के स्थानीय सम्पादक विजय सिंह ने जौनपुर प्रवास के दौरान सोमवार को अपने पुराने पत्रकार साथियों के बीच कही।

श्री सिंह के 5 दिवसीय प्रवास के दौरान सोमवार की शाम राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक तेजस टूडे के मुख्य कार्यालय पर आगमन हुआ। इस दौरान समूह सम्पादक रामजी जायसवाल ने पुष्पगुच्छ भेंट करके स्थानीय सम्पादक श्री सिंह का स्वागत किया। साथ ही उनके साथ आये अतिथियों का भी सम्मान किया। इस अवसर पर महामहिम राज्यपाल से पत्रकारिता के लिये सम्मानित अंकित जायसवाल, मान्यताप्राप्त पत्रकार शुभांशू जायसवाल, समाजसेवी अजीत सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

क्रिकेटर विनोद कांबली की मदद के लिए आगे आई देवदूत वानर सेना

प्रतापगढ़(उत्तरशक्ति)। प्रसिद्ध क्रिकेट खिलाड़ी विनोद कांबली के स्वास्थ्य से जुड़ी खबर सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद जौनपुर उत्तर प्रदेश के संगठन देवदूत वानर सेना की टीम सहयोग के लिए आगे आई है । देवदूत वानर सेना जौनपुर जिले उत्तर प्रदेश से शुरू किया गया एक छोटा सा सगंठन था, जो वाट्सएप ग्रुप के जरिए जरूर मंद लोगों की मदद कर रहा है इस संगठन के मदद के तरीके ने बहुत तेजी से इस संगठन को देश विदेश तक पहुंचा दिया, गरीब परिवार के लड़कियों की शादी, गरीब असहाय लोगों की मदद, और बीमार लोगों के सहयोग करने का तरीका लाजवाब है, सबसे खास बात यह है कि संगठन के वाट्सएप ग्रुप पर उत्तर प्रदेश के के बेरोजगार युवा अपनी शैक्षणिक योग्यता के साथ नौकरी के

लिए अपील करते हैं तो उन युवकों को देश भर में नौकरी कर रहे देवदूत वानर सेना से जुड़े लोग निजी क्षेत्र में नौकरियां भी उपलब्ध कराते हैं,देवदूत वानर सेना से जुड़े लोगों को वाट्सएप ग्रुप बनाकर सूचित कर दिया जाता है और देवदूत वानर सेना के लोग मदद की राशि भेजना शुरू कर देते हैं, प्रसिद्ध क्रिकेट खिलाड़ी विनोद कांबली की सोशल मीडिया पर वायरल खबर के बाद देवदूत वानर सेना प्रमुख ने देवदूत वानर सेना से जुड़े लोगों की राय ली और मदद के लिए संकल्प शुरू कर दिया और लोग धीरे-धीरे सहयोग की ओर बढ़ने लगे हैं, यह अपने आप में बहुत बड़ी बात है कि किसी अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी के मदद के लिए जौनपुर का एक संगठन आगे आया है, मुंबई में रहने वाले उत्तर प्रदेश और मराठी समाज के लोगों के बीच एक अच्छा संदेश देने की कोशिश है, जिसकी उत्तर प्रदेश से ज्यादा महाराष्ट्र की धरती पर तारीफ हो रही है। देवदूत वानर सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजीत सिंह ने कहा कि इस नेक और पुनीत काम में मदद और सहयोग करने वाले विशेष बधाई के पात्र हैं। इससे सहयोग की भावना प्रबल होती है और जरूरतमंद लोगों का भला होता है।

बिहार की सांस्कृतिक पहचान को प्रदर्शित करती फिल्म झंझारपुर

मुंबई(उत्तरशक्ति)। अपनी समृद्धि तथा सांस्कृतिक विरासत के साथ-साथ विविध कलाओं के लिए प्रसिद्ध बिहार को गहराई से जानने के लिए नवीन चंद्र गणेश द्वारा निर्देशित फिल्म झंझारपुर सिने प्रेमी दर्शकों के लिए आकर्षण से भरी फिल्म है। यह फिल्म बहुत जल्द ही ओटीपी पर देखने को मिलेगी। बिहार का लौंडा नाच पूरी दुनिया में अपनी अद्भुत कला के लिए जाना जाता है, जो इस फिल्म का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। फिल्म निर्देशक नवीन चंद्र गणेश पटना के मूल निवासी हैं। यही कारण है कि उन्होंने बिहार की संस्कृति और कल को करीब से देखा और परखा है। फिल्म का निर्माण साव फिल्म द्वारा किया गया है, जिसका नेतृत्व शशांक सुधाकर राव साव करते हैं। इस फिल्म की उत्कृष्टता और सम्मान का प्रमाण यही है कि इसे कोलकाता में 4 दिसंबर

से 11 दिसंबर तक होने वाले 30 वे अंतरराष्ट्रीय फि ल्म महोत्सव के लिए चुना गया है। बिहार की सांस्कृतिक पहचान और समृद्धि पूर्ण विरासत को प्रदर्शित करने की दिशा में यह फिल्म महत्वपूर्ण साबित होगी। लौंडा नाच के ऊपर आधारित इस फिल्म में एक लड़का था दो लड़की को लीड रोल के रूप में दिखाया गया है। फिल्म में अपूर्व दत्ता ने बहुत ही चैलेंजिंग रोल किया है। ओटीपी पर आने वाली उनकी यह पहली हिंदी फिल्म है। अपने सशक्त किरदार से उन्होंने सबको अपने अनुभव का लोहा मनवाया है। अपूर्व दत्ता की अगली फिल्म मशहूर अभिनेता श्रेयस तलपड़े के साथ है, जो बहुत जल्द सभी सिनेमाघरों में दिखाई जाएगी। अपूर्व दत्ता की दोनों फिल्मों को लेकर फिल्म निमार्ता के साथ-साथ दशकों में अच्छा खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। अपूर्व दत्ता इसके पहले टेलीविजन पर कई सीरियल में अपने सशक्त अभिनय का जलवा बिखेर चुकी हैं । छोटे पर्दे पर मिली अपार सफलता को देखते हुए ही बॉलीवुड फिल्म निमार्ताओं ने उन्हें बड़ी फिल्म में लेने का निर्णय लिया । अपूर्व दत्ता मूल रूप से बंगाल की रहने वाली है, जहां की अनेक फिल्म अभिनेत्रियों ने बॉलीवुड फिल्मों में बड़ा मुकाम बनाया। सभी को उम्मीद है कि उनकी दोनों फिल्में सुपरहिट साबित होंगी।